10

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण
(Analysis of Financial Statements)

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के बाद आप :–

❑वित्तीय विवरणों का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, प्रकृति, विशेषताएँ जान पाएँगे।

❑वित्तीय विवरणो के विश्लेषण के उद्देश्य, लाभ, सीमाएँ एवं प्रक्रिया जान सकेंगे।

❑वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीकों का उपयोग कर इनसे विश्लेषण प्रक्रिया समझ सकेंगे।

–तुलनात्मक वित्तीय विवरण

- तुलनात्मक चिट्ठा
- तुलनात्मक लाभ–हानि खाता

–समानाकार वित्तीय विवरण

- समानाकार चिट्ठा
- समानाकार लाभ–हानि खाता

–प्रकृति विश्लेषण एवं प्रवृति अनुपात

अध्ययन का उद्देश्य–

लेखांकन प्रक्रिया के तीन प्रमुख चरणों में से अन्तिम चरण संक्षिप्तीकरण का है। संक्षिप्तीकरण के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार एक की प्रकृति की लेखा मदों को एकीकृत करना होता है। इस प्रकार संक्षिप्तीकरण प्रक्रिया का परिणाम वित्तीय विवरण होते हैं। जिनका उद्देश्य संस्था की आर्थिक स्थिति एवं लाभदायकता का चित्रण करना होता है। इस प्रकार वित्तीय विवरणों के माध्यम से किसी व्यवसाय के परिचालन परिणामों एवं उसकी वित्तीय स्थिति के बारे में व्यवस्थित व संकलित सूचनाएँ उपलब्ध होती है। वित्तीय विवरण लेखांकन की प्रथम व द्वितीय प्रक्रिया का परिणाम है जो कि लेखांकन अभिलेखों की सहायता से मान्य स्वीकृति लेखांकन सिद्धान्तों व परम्पराओं के अनुसार तैयार किये जाते हैं। जो स्वामियों एवं बाह्य उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी होगी।

वित्तीय विवरणों का अर्थ (Meaning of Financial Statements) : वित्तीय लेखांकन प्रक्रिया के अन्तिम उत्पाद के रूप में वित्तीय विवरण प्राप्त होते हैं। ये विवरण लेखा अभिलेखों से प्राप्त ऐसी वित्तीय सूचना है जो संक्षिप्त या संपुट रूप में प्राप्त हुई हैं। वित्तीय विवरण एक निश्चित समय पर संस्था की वित्तीय स्थिति तथा एक निश्चित समयावधि की क्रियाओं के परिणामों का चित्रण हैं। यह लेखांकन सूचनाओं को आन्तरिक व बाह्य पक्ष के समक्ष प्रस्तुत करने का साधन है। इस प्रकार वित्तीय विवरणों से उस अवधि के संचालन लाभ व हानियों की जानकारी प्राप्त की जाती है एवं उक्त अवधि के अन्त में उस व्यवसाय की वित्तीय स्थिति जानी जाती है। भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 2(40) के अनुसार सामान्यतः वित्तीय विवरणों के एक पूरे सेट में निम्नांकित सम्मिलित किये जाते हैं:–

1. चिट्ठा (Balance Sheet) : यह एक निश्चित तिथि को संस्था की सम्पत्तियों व दायित्वों अर्थात वित्तीय स्थिति का विवरण होता है। इसे स्थिति विवरण (Position Statement) भी कहते है।

2. लाभ–हानि खाता (Profit and Loss Account) : यह एक लेखा अवधि में व्यावसायिक क्रियाओं के शुद्ध परिणामों को बताता हैं। इसे आय विवरण (Income Statement) भी कहते है।

3.लेखा टिप्पणियां व व्याख्यात्मक टिप्पणियां (Notes to Accounts and Explanatory Notes) : चिट्ठा व लाभ–हानि खाते के नीचे दी होती है। जिसमें इनमें दर्शायी गई मदों का विस्तृत ब्यौरा होता है, जबकि व्याख्यातमक टिप्पणियाँ महत्त्वपूर्ण मदों के सम्बन्ध में लेखांकन नीतियों एवं स्पष्टीकरणों का एक विवरण होता है।

4.रोकड़ प्रवाह विवरण एवं खण्ड प्रतिवेदन : **(i)** सूचीबद्ध कम्पनियां, **(ii)** कम्पनी जिसकी बिक्री 50 करोड़ या अधिक है अथवा **(iii)** जिन्होनें जन निक्षेप 10 करोड़ या इससे अधिक के स्वीकार किए हैं उन्ही को क्रमशः लेखांकन प्रमाप–3 व लेखांकन प्रमाप– 17 के अनुसार इन्हें बनाकर प्रस्तुत करना अनिवार्य है। रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ अन्तर्प्रवाह, रोकड़ बाह्य प्रवाह एवं रोकड़ व रोकड़ के तुल्य दर्शाता है। जबकि कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 129 के अनुसार वित्तीय विवरण प्रति वर्ष एक निर्धारित प्रारूप (जो कि विवरणों में अध्यक्षीय भाषण, संचालकों के प्रतिवेदन, प्रबन्ध के विचार एवं विश्लेषण सम्मिलित नहीं किये जाते हैं।

वित्तीय विवरणों के उद्देश्य (Objectives of Financial Statements) : इनका मुख्य उद्देश्य एक संस्था की वित्तीय, परिचालन निष्पादन एवं रोकड़ प्रवाह के बारे में उसके विभिन्न उपयोगकर्ताओं को सूचनाएँ उपलब्ध करना हैं। जिससे वे आर्थिक निर्णय लेने में सक्षम हो। ये विवरण उपयोगकर्ताओं के लिए मूल्यवान सूचनाओं का स्त्रोत है। जिनका विश्लेषण कर वे अपने लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सके जो उन्हे निर्णय लेने में सहायक हो। वित्तीय विवरणों के उद्देश्य अग्रांकित हैः–

- ऐसे वित्तीय समंक उपलब्ध करना जो व्यवसाय की आर्थिक स्थिति से संबंधित हो।
- एक संस्था के परिचालन लाभों को उसकी वित्तीय स्थिति पर प्रभाव दिखाना।
- वित्तीय विवरणों के हिताधिकारी पक्षकारों को सम्बन्धित सूचनाएँ प्रदान करना।
- व्यवसाय की सही व उचित (True and fair) स्थिति का चित्रण करना।
- भावी क्रियाओं के लिए आधार प्रस्तुत करना।

वित्तीय विवरणों की प्रकृति (Nature of Financial Statements) : वित्तीय विवरणों की सूचनाएँ निम्नांकित संयोजनों का परिणाम है :– **1.** व्यापारिक व्यवहारों को प्रमाणित साक्ष्यों के आधार पर अभिलेखन करना अर्थात सभी अभिलेखित सूचनाएँ साक्ष्यों पर आधारित होती है।

2. वित्तीय विवरण लेखांकन परम्पराओं के आधार पर बनाये जाते है। लेखांकन परम्पराओं के उपयोग से वित्तीय विश्वास योग्य, समझने योग्य एवं तुलना योग्य हो जाते है। जैसे रूढिवादिता परम्परा के कारण भावी ज्ञात हानियों के लिए आयोजन बनाया जाता है। इससे परिचालन परिणाम ज्यादा वास्तविक हो जाते है।

3. वित्तीय विवरण लेखांकन अवधारणाओं को अपनाते हुए बनाये जाते है। जैसे चालू व्यवसाय अवधारणा के अनुसार लेखे यह मानते हुए रखे जाते है कि व्यवसाय सतत् रूप से चलता रहेगा, इससे वित्तीय विवरण अधिक योग्य, समझने योग्य एवं तुलनीय बनते है।

4. व्यक्तिगत निर्णयों से भी वित्तीय विवरण प्रभावित होते है। जैसे स्टॉक के मूल्यांकन की कौनसी विधि अपनायी है, यह निर्णय प्रबन्धकों का व्यक्तिगत निर्णय होगा जो वित्तीय विवरणों को प्रभावित करता है। इस प्रकार व्यक्तिगत निर्णय भी वित्तीय विवरणों को बनाने में भूमिका निभाते है।

5. वित्तीय विवरण, वित्तीय सूचनाओं का एक प्रमख स्त्रोत है। जिनके आधार व्यवसाय की लाभदायकता व आर्थिक स्थिति के बारे में निष्कर्ष निकाले जाते है।

वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ (Charactistics of Financial Statements) : वित्तीय विवरण एक संस्था की निष्पादन क्षमता व स्थिति का द्योतक है। वित्तीय विवरणों में सामान्यता निम्नांकित विशेषताएं पाई जाती है।

1. संक्षिप्तीकरण : व्यावसायिक क्रियाएं इतनी अधिक होती है कि इन घटनाओं को संक्षिप्तीकरण करके ही पाठक सही निष्कर्ष निकाल सकते है। वित्तीय विववरण वास्तव में लेखांकन की अभिलेखन, वर्गीकरण की प्रक्रिया के बाद इनका सांराश ही है।

2. उपार्जन आधार : सामान्यता व्यावसायिक लेखे उपार्जन आधार पर ही बनाये जाते है रोकड़ आधार पर नहीं।

3. मुद्रा में व्यक्त : वित्तीय विवरण मौद्रिक मूल्यों में ही व्यक्त होते है। इसके अभाव में यह अर्थहीन है।

4. तकनीकी शब्दावली : वित्तीय विवरण बनाते समय विभिन्न मदों की तकनीकी शब्दावली उपयोग में ली जाती है।

5. मान्यता पर आधारितः इस मान्यता पर बनाये जाते हैं कि अभीष्ट उपयोगकर्ता इसमें प्रयुक्त प्रक्रिया एवं नियमों से परिचित है।

6. भूतकाल पर आधारित : यह भूतकालीन संमकों पर आधारित होते है। भावी आर्थिक क्रियाओं से इनका कोई लेना देना नहीं।

7. मान्य सिद्धांतों पर आधारित : लेखांकन के मान्य सिद्धान्तों व मान्यताओं पर बनाये जाते है जिसके अन्तर्गत स्टॉक मूल्यांकन की विधियां, मूल्य ह्रास विधियां आदि के सम्बन्ध में मान्य सिद्धान्त ही उपयोग लिये जाते है।

वित्तीय विवरणों के आधारभूत सिद्धांत (Essentials of Financial Statements) :

वित्तीय विवरण संस्था की लाभार्जन व वित्तीय स्थिति का द्योतक है, अतः इनको बनाते समय निम्नांकित बातों का ध्यान रखना चाहिए। **1.समझने योग्य** : वित्तीय विवरण स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के अनुसार बनाये जाने चाहिये। जिससे उपयोगकर्ताओं को ठीक समझने में आसानी रहे।

2. तुलनीय : वित्तीय विवरण की सूचनाएं इस प्रकार प्रकट होनी चाहिये जिससे अन्तःफर्म एवं अर्न्तफर्म तुलना **(Interfirm & Intra firm comparision)** करने में आसानी रहे।

3.प्रमाणन योग्य (Verifiable) : वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई सूचना ऐसी होनी चाहिए जो संस्था के अभिलेखों से प्रमाणित की जा सके।

4. संगत (Relevent) : वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई सूचनाओं में संगतता/सम्बद्धता होनी चाहिए। जिससे उपयोगकर्ताओं को आसानी रहे।

5. वास्तविक (Factual) : वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सूचनाएँ वास्तविक होनी चाहिये जिससे व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का सही एवं सत्य आकलन हो सके।

6. समयबद्धता (Timelines) : वित्तीय विवरण एक उचित समयान्तराल पर बनाये व प्रस्तुत किए जाने चाहिए। देरी से जारी होने पर उनकी उपयोगिता कम हो जाती है।

वित्तीय विवरणों में हित रखने वाले पक्ष एवं उनकी उपयोगिता
(Parties Interested in Financial Statements and their Utility)

प्रत्येक व्यावसायिक संस्था की क्रियाओं का प्रभाव समाज व राष्ट्र पर पड़ता है। अतः वे बहुत से व्यक्ति संस्था के वित्तीय विवरणों में रुचि रखते है। वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को दो भागों में बाँटा गया है।

(अ) आन्तरिक उपयोगकर्ता :

(1) अंशधारक : ये पूँजी विनियोजित करते है अतः उनका हित सदैव उस संस्था की लाभदायकता, वित्तीय क्षमता एवं रोकड़ स्थिति की जानकारी में रहता है। ये सभी सूचनाएँ उन्हें वित्तीय विवरणों से उपलब्ध होती है। **(2) प्रबंध** : व्यवसाय के संचालन व नियंत्रणकर्ताओं का दायित्व है कि वे संस्था के विनियोग की सुरक्षा के साथ–साथ उसके संसाधनों के अधिकतम लाभप्रद उपयोग का भी ध्यान रखे। अतः वित्तीय विवरणों से वे ऐसी सूचनाएँ प्राप्त करते है जिनसे व्यवसाय की कुशलता व लाभार्जन क्षमता को माप सके। इनके लिए वित्तीय विवरण उसी प्रकार उपयोगी है जिस प्रकार एक शिल्पकार के लिए छेनी व हथौड़ी। **(3) कर्मचारी** : कर्मचारियों को संस्था की वित्तीय स्थिति के आधार पर ही बोनस आदि प्राप्त होते है। उनकी कल्याणकारी योजनाओं पर वित्तीय स्थिति का प्रभाव पड़ता है। अतः सदैव वित्तीय विवरणों में रुचि रहती है।

(ब) बाह्य उपयोगकर्ता : (1) बैंक व वित्तीय संस्थाएँ : ये संस्थाओं को साख सुविधा प्रदान करते समय इनकी शोधन क्षमता व लाभार्जन क्षमता की जानकारी चाहते है जो वित्तीय विवरणों से ही प्राप्त होती है। **(2) ऋणपत्रधारी एवं भावी विनियोजक** : ऋणपत्र दाता संस्था की शोधन क्षमता एवं ब्याज चुकाने की क्षमता की जानकारी चाहता है जबकि भावी विनियोजक लाभांश, लाभ मात्रा, बाजार स्थिति आदि की जानकारी चाहता है। ये सभी वित्तीय सुदृढता की जानकारी चाहते है जो वित्तीय विवरणों से ज्ञात होती है। **(3) लेनदार** : ये संस्था की तरलता व वित्तीय सुदृढता की जानकारी चाहते है जो वित्तीय विवरणों से ज्ञात होती है। **(4) सरकार व अन्य विभाग** : सरकारों की नीतिगत निर्णय करने, कानून व नियमों को बनाने आदि कार्यो के लिए वित्तीय विवरणों से जानकारी प्राप्त करनी होती है। सरकार के अन्य विभाग जैसे विक्रयकर विभाग, आयकर विभाग, उत्पाद शुल्क विभाग आदि बहुत से विभाग राजस्व साधनों की जानकारी के लिए संस्था के वित्तीय विवरणों का उपयोग करते है। जिससे ये सही आकलन कर सके। **(5) शोधकर्ता व विश्लेषण** : विशेष व सीमित उद्देश्य की पूर्ति हेतु ये भी संस्था के वित्तीय विवरणों का उपयोग कर सरकार व समाज के समक्ष संस्था के वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्रस्तुत करते है। **(6) व्यावसायिक परिषदें** : चैम्बर ऑफ कॉमर्स, सीमेन्ट मैन्युफैक्चरर एसोसिऐशन आदि गैर लाभ वाली संस्थाएँ अपने– अपने क्षेत्र में संस्थाओं के हितों की रक्षा व समृद्धि के उद्देश्य से वित्तीय विवरणों का अध्ययन कर उनकी प्रवृति को ज्ञात कर निष्कर्ष निकालकर तुलना करती है। **(7) स्कन्ध विपणि व भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड** : इनके द्वारा विनियोजकों की सुरक्षा के लिए बनाये गए नियमों की पालना हो रही है या नहीं आदि तथ्यों का विश्लेषण कर वित्तीय विवरणों व अन्य सूचनाओं से किया जाता है। अतः यह इनके लिए भी उपयोगी है।

वित्तीय विवरणों की सीमाएँ
(Limitations of Financial Statements)

संस्था के वित्तीय लेखों का सारांश ही वित्तीय विवरण होते है। इन सूचनाओं के आधार पर अधिक सत्य, तर्कपूर्ण एवं प्रमाणित निर्णय लिये जाते है। किन्तु इन सूचनाओं के आधार पर निकाले गए निष्कर्षो को अंतिम व शुद्ध नहीं माना जाना चाहिए। अतः वित्तीय विवरणों का प्रयोग करते समय इनकी सीमाओं व मर्यादाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए ये निम्नानुसार हैः–

(1) ऐतिहासिक तथ्य : वित्तीय विवरण भूतकालीन सूचनाओं पर आधारित है, जबकि ज्यादातर उपयोगकर्ता भावी स्थिति की जानकारी चाहते है अतः वित्तीय विवरण अधिक उपयोगी नहीं है।

(2) अनुमानों पर आधारित : वित्तीय विवरण लेखांकन परम्पराओं, अवधारणाओं, व्यक्तिगत निर्णयों पर आधारित होते है, अतः यह भेदवभाव रहित (Free from bias) नहीं है।

(3) गुणात्मक तथ्यों पर ध्यान नहीं देती हैं: वित्तीय विवरण मौद्रिक मूल्यों में व्यक्त किये जाते है अतः गुणात्मक तथ्यों को छोड़ देने से सही निष्कर्ष नहीं प्राप्त होते हैं। जैसे प्रबंधको की योग्यता, बाजार स्थिति, कर्मचारियों की गुणात्मक क्षमता आदि के प्रभाव का अध्ययन नहीं होता है।

(4) ऐतिहासिक लागत : वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागतों पर तैयार किये जाते है मूल्य परिवर्तन के प्रभावों को ध्यान नहीं रखते है अतः ये केवल शव–परीक्षा (Post -Mortem) के समान है।

(5) तुलनीयता का अभाव : दो संस्थाओं की प्रकृति, उत्पादन क्षमता, भौगोलिक स्थिति, आदि भिन्न होने के कारण वित्तीय विवरण समंकों से तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया जा सकता है।

(6) वास्तविक स्थिति को छुपाना : वित्तीय विवरणों में गुप्त संचय, ऊपरी दिखावट (Window dressing) के कारण वास्तविक स्थिति का चित्रण नहीं होता है। लेखांकन छल (Accounting manipulation) से समंको को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है जिससे आर्थिक स्थिति अच्छी या खराब दिखाई दें।

(7) सभी पक्षकारों की आवश्यकता पूर्ति नहीं करता : वित्तीय विवरणों में रूचि रखने वाले सभी पक्षकारों की आवश्यकता पूर्ति नहीं हो सकती हैं।

उपरोक्त सीमाएं आज की बदलती परिस्थितियों में उतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। क्योंकि वित्तीय विवरणों की महत्ता के समक्ष ये बोने हो जाते है। वित्तीय विवरणों द्वारा प्रदान की गई सूचनाओं से लिए गए विचार पूर्ण व विवेकपूर्ण निर्णय उपयोगी होते है।

वित्तीय विवरण विश्लेषण
(Analysis of Financial Statements)

देखने मात्र से तो ऐसा लगता है कि वित्तीय विवरण केवल अंकों का समूह मात्र हैं किन्तु इनका महत्व तब तक ज्ञात नहीं हो सकता जब तक उनके उपयोगकर्ता (यथा प्रबन्धक, विनियोजक) अपने उद्देश्य विशेष के लिए इनका विश्लेषण व व्याख्या न करे। वित्तीय विश्लेषण, वित्तीय विवरणों से सन्निहित आशय को स्पष्ट करने में सहायता करता है। आज की परिस्थितियों में वित्तीय विश्लेषण एक प्रबंधकीय हथियार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

वित्तीय विश्लेषण का अर्थ (Meaning of Financial Statements) : किसी सूचना की प्रकृति समझने के लिए उसके एक अवयव का दूसरे अवयवों से अथवा उनके योग से सम्बन्ध स्थापित करना होता हैं। वित्तीय विवरणों में सूचित किये गये तथ्यों को किसी वैज्ञानिक तरीके द्वारा उपयोगी अवयवों में इस प्रकार वर्गीकृत एवं विन्यासित करना है जिससे उनसे अर्थपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सके। अर्थात् व्यवसाय की दशा में उसकी आर्थिक स्थिति व लाभार्जन शक्ति का पता लगाया जा सके। इस प्रकार वित्तीय विश्लेषण के अन्तर्गत एक वित्तीय विश्लेषक को सर्वप्रथम वित्तीय विवरणों से निर्णयन हेतु उपयोगी सूचना का चयन करना होता है, तत्पश्चात् उन सूचनाओं को इस प्रकार व्यवस्थित करना है कि जिससे कोई महत्वपूर्ण सम्बन्ध स्पष्ट हो सके, अन्त में विश्लेषण तकनीकों की सहायता को इन सम्बन्धों का अध्ययन करके निष्कर्ष निकालना व उनका निर्वचन करना है।

अन्त में यह कहां जा सकता है कि वित्तीय विश्लेषण, वित्तीय सूचनाओं के विश्लेषण की एक पद्धति है। जिसमे वित्तीय विवरणों से उपयोगी सूचनाओं को एकत्रित कर उनके मध्य सम्बन्ध स्थापित कर उनसे निष्कर्ष निकालकर उनका इस प्रकार निर्वचन करना है, जिससे यह सूचनाएं व्यावसायिक निर्णय लेने में सहायक हो सके।

वित्तीय विश्लेषण का उद्देश्य
(Objective of Financial Analysis)

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में इसके उपयोगकर्ताओं का हित निहित होता है। अतः वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उद्देश्य उसके उपयोगकर्ताओं के दृष्टि से भिन्न–भिन्न होता है। जैसे दीर्घकालीन ऋणदाता –पूंजी संरचना की बनावट, भावी आयों व ब्याज व्याप्ति स्थिति से सम्बन्धर रखते है। अतः वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य इस पर निर्भर करेगा कि यह विश्लेषण किसके लिए किया जा रहा है। फिर भी वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के कुछ सामान्य उद्देश्य निम्नानुसार है :–

1.परिचालन कुशलता का मापन : यह आय विवरण में दी गई सूचनाओं के आधार पर विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जाता है।

2. लाभदायकता मापन : यह आय विवरण में दी गई सूचनाओं के आधार पर विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों यथा अनुपात विश्लेषण आदि के माध्यम से किया जा सकता है।

3. अंतः फर्म तुलना व अर्न्त फर्म तुलना : वित्तीय विवरणों का विश्लेषण उसी फर्म अथवा उद्योग में किसी अन्य संस्था के विगत वर्षों के निष्पादन से तुलना करके किया जा सकता है। अतः फर्म तुलना में उसी उद्योग की अन्य संस्थाओं से तुलना की जा सकती है जबकि अन्तर्फर्म तुलना में उसी संस्था के विगत वर्षों की वित्तीय सूचनाओं के आधार पर स्व–मूल्यांकन किया जा सकता है।

4. शोधन क्षमता मापन : अल्पकालीन, दीर्घकालीन शोधन क्षमता की जांच के लिए भी वित्तीय विश्लेषण की अनुपात विश्लेषण तकनीक का उपयोग किया जा सकता है।

5. प्रवृति मापन : संस्था की वित्तीय सूचनाओं की प्रवृति माप के लिए प्रवृति विश्लेषण/अनुपात का उपयोग कर सकता हैं।

6. आर्थिक सुदृढता का मापन : विभिन्न अनुपातों के माध्यम से आर्थिक सुदृढता का मापन कर कमजोरियों (Weakness) अथवा शक्ति (Strength)का माप कर सकते हैं।

7. व्यवसाय की प्रगति का मूल्यांकन : प्रवृति एवं गतिशील विश्लेषण के माध्यम से व्यवसाय की सामर्थ्य का मूल्यांकन कर सकते हैं।

8. सरल, संक्षिप्त एवं व्यस्थित प्रस्तुतीकरण : नीरस आंकड़ों को सरल, संक्षिप्त व व्यवस्थित रूप देना ही वित्तीय विश्लेषण की महत्वपूर्ण भावना हैं।

9.पूर्वानुमान में सहायक : ऐतिहासिक संमकों से प्रभावी पूर्वानुमान, बजटन एवं नियोजन कर सकते हैं।

10. हित धारकों की आवश्यकता की पूर्ति : वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों से वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं की पृथक–पृथक आवश्यकता की पूर्ति करना हैं।

11. निर्णयन : व्यक्तिगत निर्णय उचित नहीं होता है। वैज्ञानिक रीति से विश्लेषित समंक उपलब्ध कराना हैं।

वित्तीय विश्लेषण की प्रक्रिया
(Procedure for Financial Analysis)

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की प्रक्रिया निम्नानुसार रहेगी :–

(1) वित्तीय विश्लेषण का उद्देश्य व सीमा निर्धारित : वित्तीय विश्लेषक, विश्लेषण किस उद्देश्य के लिए करना चाहता हैं यह सर्वप्रथम निर्धारण जरूरी है। जैसे केवल व्यवसाय की प्रगति का ही अध्ययन करना हो तो केवल लाभ हानि खाते ही

विश्लेषण करना होगा। इसी प्रकार वित्तीय स्थिति का अध्ययन करना हो तो चिट्ठे का भी विश्लेषण करना होगा। विश्लेषण की विधि का चयन उसके उद्देश्य व सीमा पर निर्भर रहेगा।

(2) वित्तीय विवरणों का आद्योपान्त अध्ययन : इनमें दी गई सूचनाओं के मूल्यांकन हेतु विश्लेषक को इनका सर्वांग अध्ययन करना होगा।

(3) उपयोगी सूचनाएँ एकत्रित करना : वित्तीय विश्लेषक, विश्लेषण हेतु वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त अन्य सम्बन्धित सूचनाएँ भी एकत्रित करेगा यथा व्यवसाय की भावी संभावनाओं के अध्ययन के लिए अध्यक्षीय भाषण, संचालकों का प्रतिवेदन, प्रबन्ध रिपोर्ट व विश्लेषण प्राप्त करने होंगे।

(4) सूचनाओं को पुनः वर्गीकृत करना एवं अंकों को सन्निकट करना : वित्तीय विवरणों में दी गई सूचनाओं के अध्ययन/विश्लेषण के उद्देश्य के अनुसार पुनः वर्गीकृत कर लेना चाहिए तथा समंको को सन्निकटता के आधार पर हजारों या लाखों में पूर्णांकित कर बना लेना चाहिए।

(5) तुलना : निरपेक्ष समंक स्वयं सारहीन होते हैं। इन्हें सारपूर्ण बनाने के लिए सापेक्षित मात्रा का माप करना होता है। अतः अन्तः फर्म तुलना अथवा अन्तर्फर्म तुलना के लिए तुलनीय समंको का उपयोग करेंगे। जैसे उसी संस्था के विभिन्न वर्षो की सम्बन्धित मदों के बीच तुलना करना आदि।

(6) विश्लेषण : तुलनीय समंकों को उद्देश्यानुसार विश्लेषण हेतु उपयोग करना चाहिए। जैसे बैंक व वित्तीय संस्थाओं द्वारा शोधनक्षमता जांच लाभदायकता जांच करायी जाती है यह अन्तः फर्म या अन्तर्फर्म हो सकती है इस प्रकार वित्तीय विवरणों की मदों की प्रवृति का अध्ययन भी कर सकते हैं।

(7) व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण: विश्लेषण के बिना व्याख्या संभव नहीं है तथा व्याख्या के बिना विश्लेषण व्यर्थ हैं। अतः विश्लेषित तथ्यों से निष्कर्ष निकाल कर उन्हे तरीके से निर्णयन हेतु प्रस्तुतीकरण आवश्यक होता है तभी विश्लेषण सार्थक होता है। इस प्रकार वित्तीय लेखांकन प्रक्रिया का अन्तिम उत्पाद व्याख्या व प्रस्तुतीकरण है। जिसके बिना व्यावसायिक लेनदेनों का अभिलेखन, वर्गीकरण एवं संक्षिप्तीकरण सारहीन हैं।

वित्तीय विश्लेषण के प्रकार
(Types of Financial Analysis)

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण चार प्रकार से किया जा सकता है :–

(1) बाह्य विश्लेषण (External Analysis): वित्तीय विवरणों के बाहरी उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जाने वाला विश्लेषण है। जिसमें वित्तीय विश्लेषक सभी अभिलेखों तक पहुँच नहीं सकता है। उसे केवल प्रकाशित विवरणों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। यह बैंकों, लेनदारों, शोधकर्ताओं, सरकार द्वारा किया जाता हैं।

(2) आन्तरिक विश्लेषण (Internal Analysis): जब संस्था के प्रबंधको द्वारा संस्था के अभिलेखों के आधार पर विश्लेषण किया जाता है तो आन्तरिक विश्लेषण कहलाता है। इसमें विश्लेषक के पास समस्त सूचनाएँ (प्रकाशित, अप्रकाशित) उपलब्ध होती है। अतः यह अधिक विश्वसनीय व प्रबन्धकीय निर्णयों के हेतु उपयोगी होता है।

(3) क्षैतिज या गतिशील विश्लेषण (Horizontal or Dynamic Analysis) : क्षैतिज विश्लेषण के अन्तर्गत वित्तीय विवरणों में दी गई प्रत्येक मद की अन्तः वर्ष (Inter) तुलना की जाती है। जैसे सन् 2016-17 की स्थायी सम्पति की राशि की तुलना विगत वर्षों 2015-16 व 2014-15 से की जाय। इसलिए इसे गतिशील विश्लेषण भी कहते है। जिसके अन्तर्गत एक वर्ष की विभिन्न मदों का पिछले वर्ष या वर्षो से तुलना कर उसमे परिवर्तनों को मापा जाता है। इससे संस्था की प्रगति या गतिशीलता का अध्ययन होता है। ये परिवर्तन निम्नांकित विधियों से प्रकट कर सकते है :–

(अ) राशियों में प्रतिशत वृद्धि या कमी दिखाकर **(ब)** परिवर्तनों को सूचकांको द्वारा प्रकट करना अर्थात् एक वर्ष को आधार 100 मानकर अन्य वर्षो की तुलना। **(स)** राशियों की वास्तविक वृद्धि व कमी दिखलाना अर्थात् दो अवधियों के विवरण मे मदों का अन्तर धनात्मक (+) ऋणात्मक (–) राशियों में प्रकट करना। यह एक काल श्रेणी (Time series) विश्लेषण है। यह दीर्घकालीन प्रवृति विश्लेषण व योजना के लिए उपयोगी है। तुलनात्मक चिट्ठा व लाभ हानि खाता या आय विवरण तथा प्रवृति विश्लेषण क्षैतिज विश्लेषण के उदाहरण है।

(4) लम्बवत या स्थिर विश्लेषण (Vertical or Static Analysis) : एक निश्चित अवधि के वित्तीय विवरण के विभिन्न अवयवों (Component) के पारस्परिक सम्बन्ध का अध्ययन या उनके योग के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन लम्बवत विश्लेषण कहलाता है। यह विश्लेषण एक निश्चित अवधि पर वर्तमान सम्बन्धों को ही बताता है, उसमे उच्चावचनों को नहीं। जैसे चिट्ठे के सम्पति पक्ष का योग 100 मानकर सम्पति की विभिन्न मदों का उससे अनुपात ज्ञात किया जाता है। इसलिए इसे स्थिर विश्लेषण कहा जाता है। क्योंकि यह विश्लेषण उच्चावचनों को नहीं बताता है केवल वर्तमान सम्बन्धों को ही बताता है।

समानाकार चिट्ठा व लाभ हानि खाता या आय भी इस विश्लेषण का उदाहरण है। चिट्ठे व लाभ–हानि खाते की विभिन्न मदों के आपसी सम्बंध को बताने वाले अनुपात विश्लेषण भी इस विश्लेषण की एक तकनीक है। क्योंकि अनुपात विश्लेषण में समंक एक निश्चित अवधि (एक वर्ष) के ही लिये जाते है। इसे स्थैतिक (Static) विश्लेषण भी कहते है। समग्र विश्लेषण के लिए क्षैतिज व लम्बवत् दोनों ही विधियों की नितान्त आवश्यकता है। ये दोनों एक दूसरे के पूरक है विरोधी नहीं।

क्षैतिज विश्लेषण एवं लम्बवत विश्लेषण में अन्तर :

आधार	क्षैतिज विश्लेषण	लम्बवत विश्लेषण
1. अवधि	इसमें दो या अधिक अवधि के वित्तीय विवरणों के समंक चाहिये ।	इसमें एक अवधि के ही वित्तीय विवरण समंक चाहिए।
2. उपयोगिता	यह सामान्यतया काल श्रेणी विश्लेषणों में उपयोगी है ।	यह सामान्यतया परिच्छेद विश्लेषण (Cross-sectional Analysis) में उपयोगी है।
3. अवयव या मदें	इसमें प्रत्येक अवयवों (मद) की विभिन्न अवधियों के आचरण का अध्ययन होता है ।	इसमें एक ही अवधि की विभिन्न मदों के पारस्परिक सम्बन्धों का अध्ययन करते हैं।
4. तुलना	यह तुलना का एक अंग है ।	यह तुलना का एक आधार है ।

वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें
(Techniques of Financial Analysis)

किसी व्यवसाय के वित्तीय विवरणों की मदों में क्षैतिज या लम्बवत् विश्लेषण का अध्ययन करने के लिए जिन तरीकों का प्रयोग किया जाता हैं उन्हे वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें कहा जाता है। एक वित्तीय विश्लेषक द्वारा अक्सर प्रयोग की जानी वाली विभिन्न तकनीकें निम्नांकित हैः–

(1) तुलनात्मक वित्तीय विवरण (Comparative Financial Statements)
(2) समानाकार वित्तीय विवरण (Common size Statements)
(3) प्रवृति विश्लेषण (Trend Analysis)
(4) अनुपात विश्लेषण (Ratio Analysis)
(5) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण (Cash flow Analysis)
(6) सम विच्छेद विश्लेषण (Break even Analysis)
(7) कोष प्रवाह विश्लेषण (Fund Flow Analysis)

सभी प्रकार के विश्लषणों में सभी तकनीकों का उपयोग नहीं किया जाता है। विश्लेषण तकनीक का चयन विश्लेषण के उद्देश्य पर निर्भर करता है। जैसे एक विश्लेषक दो समान उत्पादन करने वाले उद्योगों के एक वित्तीय वर्ष के समंकों की उनकी लाभार्जन क्षमता जांच हेतु उपयोग लेना चाहता हैं तो अनुपात विश्लेषण तकनीक का उपयोग करेगा अन्य तकनीके उद्देश्य पूर्ति में सहायक नहीं हैं।

इन तकनीकों में से प्रथम चार तकनीकों का अध्ययन पाठ्यक्रम में है अतः शेष तकनीकों का वर्णन नहीं किया जा रहा हैं।

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएँ
(Limitations of Financial Analysis)

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के बहुत से लाभ होने के बावजूद इसकी कुछ सीमाएँ है। जिन्हें एक उपयोगकर्ता व विश्लेषणकर्ता को ध्यान में रखना चाहिए। सीमाएँ निम्नानुसार है :–

1. केवल परिमाणात्मक माप : वित्तीय विवरण विश्लेषण में वित्तीय सूचनाओं का परिमाणात्मक अध्ययन होना है, गुणात्मक नहीं। अतः यह कुशलता के मूल्यांकन का एक पक्षीय माप है।

2. सामान्य स्वीकृत सिद्धांतों का अभाव : लेखांकन के लिए विश्वव्यापी स्तर पर समान मान्य सिद्धान्त बनाये जाते रहे हैं तथा प्रभावी किये जा रहे है। फिर भी अभी यह कार्य धीमी गति से चल रहा हैं। अतः समान नियम, सिद्धान्त न अपनाने से वित्तीय सूचनाओं से परिणाम उतने सार्थक नहीं आते एवं तुलनीयता का अभाव होता हैं।

3.निदानात्मक नहीं : वित्तीय विश्लेषण केवल व्यवसाय की निष्पादन कुशलता के लक्षणों को चिन्हित करता हैं, उसका निदान नहीं बताता हैं।

4. वित्तीय विवरणों की सीमाएँ : विगत पृष्ठों पर हमने वित्तीय विवरणों की सीमाओं का अध्ययन किया है, वे सीमाएँ स्वतः ही वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं भी है। क्योंकि विश्लेषण उन्हीं वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं जैसे वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागतों पर आधारित होते है अतः वर्तमान में उनकी उपयोगिता पर प्रश्न चिह्न लग जाता हैं।

5.मूल्य स्तर परिवर्तनों को ध्यान में नहीं रखना : वित्तीय विवरण से दो या अधिक वर्षो की सूचनाओं की तुलना करने पर परिणाम भ्रामक हो सकते है। जैसे पिछले पाँच वर्षो की उत्पादन लागत की तुलना करनीं है तो वित्तीय विवरणों में ये वास्तविक लागत पर दिखाई जाती है।

अतः मूल्य वृद्धि के प्रभाव को ध्यान में नहीं रखने से वास्तविक निष्पति का सही मापन नहीं हो सकता हैं। प्रत्येक तकनीक की अपनी–अपनी सीमाएं होती हैं। किन्तु इन्हें ध्यान में रखकर एक विश्लेषक वित्तीय विश्लेषण करता है तो परिणाम् सार्थक ही आयेंगे, भ्रामक नहीं।

तुलनात्मक वित्तीय विवरण
(Comparative Financial Statements)

तुलनात्मक वित्तीय विवरण, वित्तीय विश्लेषण की ऐसी तकनीक है जिसमें दो या अधिक वर्षों से सम्बन्धित वित्तीय विवरण समंकों की मदों में हुए परिवर्तनों (निरपेक्ष एवं/अथवा सापेक्ष) को सम्मिलित करते हुए एक विवरण पत्र में उनका प्रस्तुतीकरण किया

जाता हैं। तुलनात्मक वित्तीय विवरण एक ऐसा तुलनात्मक अध्यध्यन है जिसमें चिट्ठे व लाभ हानि खाते की दो या अधिक वर्षों की समान व्यक्तिगत मदों मे से एक को आधार मानते हुए अन्य वर्षों की मदों से निरपेक्ष समंक के रूप से, कमी या वृद्धि की राशि के रूप में, कमी या वृद्धि को प्रतिशत के रूप में अनुपातों के रूप में तुलना की जाती है।

इस प्रकार तुलनात्मक वित्तीय विवरणों में एक ही व्यावसायिक संस्था के चिट्ठे व लाभ–हानि खाते की समान मदों, मदों के समूह का दो या दो से अधिक वर्षों की सूचनाओं की प्रवृत्ति का अध्ययन हैं।

तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के लाभ :

1. वित्तीय समंको का सुगम व सरल प्रस्तुतीकरण होता है एवं तुलना में आसानी रहती हैं।
2. तुलनात्मक वित्तीय विवरण के अन्तर्गत परिवर्तनों को दर्शाने के कारण ये प्रवृति का बोध कराते हैं तथा इससे पूर्वानुमान में सहायता मिलती हैं।
3. प्रमुख वित्तीय सांख्यिकी को इनके माध्यम से समझने में आसानी रहती हैं।
4. तुलनात्मक वित्तीय विवरण से वित्तीय स्वास्थ्य आदि की जानकारी मिलने से संस्था की शक्ति एवं कमजोरियों की जानकारी हो जाती है। इससे सुधारात्मक कदम उठाये जा सकते है।
5. तुलनात्मक वित्तीय विवरणों की सहायता से अन्तःफर्म तुलना (Intra firm comparison) एवं उद्योग विशेष के औसत से तुलनात्मक दक्षता ही जांच हो सकती हैं।
6. परिवर्तनों के विश्लेषण व प्रवृति की सूचनाओं से पूर्वानुमान व नियोजन में सहायता मिलती हैं।
7. तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के अध्ययन से लेनदार व ऋणदाता अपने ऋणों की अवधि बढाने या अन्य सहायता मिलती हैं। निर्णय लेने में सुगमता महसूस करते है।

तुलनात्मक चिट्ठे का निर्माण
(Preparation of Comparative Balance Sheet)

तुलनात्मक चिट्ठा से एक संस्था की दो या अधिक तिथियों की सम्पतियों, दायित्वों, तथा पूँजी में आधार वर्ष के आधार पर हुए परिवर्तनों की निरपेक्ष अंकों में, वृद्धि या कमी के प्रतिशत के रूप में, अनुपातों के रूप में मापन किया जाता है। यह चिट्ठे का क्षैतिज विश्लेषण हैं। इसको बनाने के लिए निम्नांकित 6 खाने बनाये जाते हैं।

प्रथम कॉलम : इस खाने में चिट्ठे की प्रत्येक मद या अवयव का नाम लिखा जाता है।
द्वितीय कॉलम : इस खाने में प्रत्येक मद के सामने चिट्ठे में लिखे हुए उनके नोट नम्बर लिखे जाते हैं।
तीसरा कॉलम : इसमें पिछले वित्तीय वर्ष की राशियाँ लिखते हैं।
चतुर्थ कॉलम : इसमें चालू वर्ष की राशियां लिखते हैं।
पांचवा कॉलम : पिछले वर्ष से इस वर्ष की प्रत्येक मद की राशि में हुआ परिवर्तन लिखा जाता है।
छठा कॉलम : पिछले वर्ष की प्रत्येक मद की राशि की कॉलम पांच में लिखी वृद्धि या कमी से प्रतिशत वृद्धि/कमी गणना कर लिखी जाती है।

$$\text{प्रतिशत परिवर्तन} = \frac{\text{कॉलम पांच की उक्त मद की राशि}}{\text{कॉलम तीन की उक्त मद की राशि}} \times 100$$

तुलनात्मक चिट्ठे का प्रारूप

Particulars	Note No.	Previous year ₹	Current Year ₹	Absolute Change (Increase/Decrease ₹	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3	4	5 (4-3)	6 ($\frac{5}{3}$ x100)
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1.Shareholders' Funds					
(a) Share Capital :	--	--	--	--	--
(i) Equity Share Capital	--	--	--	--	--
(ii) Preference Share Capital	--	--	--	--	--
(b) Reserves and Surplus	--	--	--	--	--
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings	--	--	--	--	--
(b) Long Term Provisions	--	--	--	--	--
3.Current Liabilities					
(a) Short term Borrowings	--	--	--	--	--
(b) Trade Payables (Creditors)	--	--	--	--	--
(c) Other Current Liabilities	--	--	--	--	--
(d) Short-term Provisions	--	--	--	--	--
Total	--	--	--	--	--

II. ASSETS					
2. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)	--	--	--	--	--
(i) Tangible Assets	--	--	--	--	--
(ii) Intangible Assets	--	--	--	--	--
(b) Non-current Investments	--	--	--	--	--
(c) Long-term Loans and Advances	--	--	--	--	--
3. Current Assets					
(a) Current Investment	--	--	--	--	--
(b) Inventories	--	--	--	--	--
(c) Trade Receivables	--	--	--	--	--
(d) Cash and Cash Equivalents	--	--	--	--	--
(e) Short- term Loans and Advances	--	--	--	--	--
(f) Other Current Assets	--	--	--	--	--
Total	--	--	--	--	--

नोट : 1. निरपेक्ष परिवर्तन व प्रतिशत परिवर्तन ऋणात्मक होने पर उन्हें कोष्ठक में दिखाऐंगे। 2. चिट्ठे में दिखाई गई अन्य मदों में हुए परिवर्तन पृथक से नहीं दिखाये जाते हैं। जैसे अंश वारंट के सम्बन्ध नगद प्राप्त, आस्थगित कर दायित्व (शुद्ध), दीर्घकालीन आयोजन, अन्य चालू दायित्व, पूंजीगत, अर्द्ध निर्मित माल, अदृश्य सम्पत्तियाँ जो अभी विकास स्थिति में, आस्थगित कर सम्पति (शुद्ध), अन्य दीर्घकालीन दायित्व तथा अन्य चालू सम्पतियों (पूर्वदत्त खर्चे, बकाया आय व अग्रिम कर को छोड़कर)

उदाहरण 1 : निम्नांकित चिट्ठों से एक्स लिमिटेड का तुलनात्मक चिट्ठा तैयार कीजिए।

(From the following Balance Sheets, prepare Comparative Balance Sheet.)

Particulars	Note No.	31 March 2017 ₹	31 March 2016 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1. **Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :			
(i) Equity Share Capital		4,00,000	3,00,000
(ii) Preference Share Capital		3,00,000	2,00,000
(b) Reserves and Surplus			
2. Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings		2,00,000	50,000
(b) Long Term Provisions			
3. **Current Liabilities**			
(a) Trade Payables		1,00,000	75,000
Total		10,00,000	6,25,000
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets		5,40,000	3,60,000
(b) Non-current Investments		40,000	40,000
2. Current Assets			
(a) Trade Receivables		4,00,000	2,00,000
(b) Cash and Cash Equivalents		20,000	25,000
Total		10,00,000	6,25,000

हल:

Comparative Balance Sheet As at 31st March, 2016 and 2017

Particulars	Note No.	31 March 2016	31 March 2017	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 ₹	6 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1. **Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :		3,00,000	4,00,000	1,00,000	33.33
(i) Equity Share Capital		2,00,000	3,00,000	1,00,000	50.00
(ii) Preference Share Capital					
(b) Reserves and Surplus					

2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings		50,000	2,00,000	1,50,000	300.00
(b) Long Term Provisions					
3.Current Liabilities					
(a) Trade Payables(Creditors)		75,000	1,00,000	25,000	33.33
Total		**6,25,000**	**10,00,000**	**3,75,000**	**60.00**
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)		3,60,000	5,40,000	1,80,000	50.00
(i) Tangible Assets		40,000	40,000	--	--
2. Current Assets					
(a) Current Investment		2,00,000	4,00,000	2,00,000	100.00
(b) Cash and Cash Equivalents		25,000	20,000	(5,000)	(20.00)
Total		**6,25,000**	**10,00,000**	**3,75,000**	**60.00**

उदाहरण 2 : निम्नांकित सारांशित चिट्ठों से वाई लिमिटेड का तुलनात्मक चिट्ठा तैयार कीजिये।
(Form the following summarised Balance Sheets of Y Ltd. , prepare Comparative Balance Sheet)

(₹ in Lakhs)

Particulars	Note No.	31 March 2017	31 March 2016
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1.**Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :			
(i) Equity Share Capital		50.00	50.00
(ii) Preference Share Capital		15.00	20.00
(b) Reserves and Surplus		18.00	15.00
2.Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings		50.00	40.00
(b) Long Term Provisions		2.00	2.20
3.**Current Liabilities**			
(a) Trade Payables		14.30	13.00
Total		149.30	140.20
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets		105.00	105.00
2. Current Assets			
(a) Trade Receivables		40.00	31.00
(b)Cash and Cash Equivalents		4.30	4.20
Total		149.30	140.20

हल: **Comparative Balance Sheet As at 31st March, 2016 and 2017** (₹ in Lakhs)

Particulars	Note No.	31 March 2016	31 March 2017	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 ₹	6
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1.**Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :					
(i) Equity Share Capital		50.00	50.00	--	--
(ii)Preference Share Capital		20.00	15.00	(5.00)	(25.00)
(b) Reserves and Surplus		15.00	18.00	3.00	20.00
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings		40.00	50.00	10.00	25.00
(b) Long Term Provisions		2.20	2.00	(0.20)	(9.09)

3.**Current Liabilities**					
(a) Trade Payables (Creditors)		13.00	14.30	1.30	10.00
Total		**140.20**	**149.30**	**9.50**	**06.49**
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)		105	105	--	--
2. Current Assets					
(a) Current Investment		31.00	40.00	9.00	29.03
(b) Cash and Cash Equivalents		4.20	4.30	0.10	2.38
Total		**140.00**	**149.30**	**9.10**	**6.49**

तुलनात्मक लाभ–हानि खाता या आय विवरण
(Comparative Profit and Loss Account or Income Statement)

आय विवरण एक वित्तीय वर्ष की लाभ–हानि का विवरण दर्शाता हैं। केवल एक अवधि के समंको से निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं। उसमें तुलनीयता नहीं होती हैं। एक अवधि से अधिक के लाभ हानि का तुलनात्मक अध्ययन कर विश्लेषण व्यवसाय की प्रगति आदि के निष्कर्ष निकाल सकता हैं। अतः तुलनात्मक परिणामों में एक अवधि से दूसरी अवधि में हुए परिवर्तन निरपेक्ष अंको में कमी या वृद्धि को प्रतिशतों में व्यक्त किये जाते हैं। यह लाभ–हानि खाते का क्षैतिज विश्लेषण हैं। इसको लाभ–हानि का गतिशील विश्लेषण भी कहते हैं।

तुलनात्मक लाभ–हानि या आय विवरण निर्माण
(Preparation of Comparative Profit and Loss Acoount or Income Statment) :

तुलनात्मक आय विवरण बनाने के लिए निम्नानुसार छः कॉलम बनाये जाते हैं:–

प्रथम कॉलम : इस कॉलम में आय विवरण की सभी मदों के नाम लिखे जाते हैं।
द्वितीय कॉलम : इस कॉलम में प्रत्येक मद के सामने आय विवरण में लिखे हुए उनके नोट नम्बर लिखे जाते हैं।
तीसरा कॉलम : इसमें प्रत्येक मद की पिछले वर्ष की राशि लिखी जाती हैं।
चतुर्थ कॉलम : इसमें प्रत्येक मद की चालू वर्ष की राशि लिखी जाती हैं।
पांचवा कॉलम : पिछले वर्ष से इस वर्ष की प्रत्येक मद की राशि में हुआ परिवर्तन लिखा जाता हैं।
छठा कॉलम : पिछले वर्ष की प्रत्येक मद की राशि की कॉलम पांच में लिखी वृद्धि या कमी से प्रतिशत वृद्धि/कमी गणना करके लिखी जाती हैं।

$$\text{प्रतिशत परिवर्तन} = \frac{\text{कॉलम पांच की उक्त मद की राशि}}{\text{कॉलम तीन की उक्त मद की राशि}} \times 100$$

तुलनात्मक लाभ हानि खाता या आय विवरण का प्रारूप
(Format of Comparative statement of Profit and Loss Accounts or Income Statement)

Particulars	Note No.	Previous year	Current Year	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 (4-3) ₹	6 ($\frac{5}{3}$x100)
I. Revenue from Operations	--	--	--	--	--
II. Other Income	--	--	--	--	--
III. Total Revenue (I+II)	--	--	--	--	--
IV. Expenses					
(a) Cost of Materials Consumed	--	--	--	--	--
(b) Purchase of Stock-in-Trade	--	--	--	--	--
(c) Change in Inventories of Finished Goods, Work-in-Progress and Stock-in-Trade	--	--	--	--	--
(d) Employees Benefit Expenses	--	--	--	--	--
(e) Finance Costs	--	--	--	--	--
(f) Depreciation and Amortisation Expenses	--	--	--	--	--
(g) Other Expenses	--	--	--	--	--
Total Expenses					

V. Profit before Tax (III-IV)	--	--	--	--	--
VI. Less: Income Tax	--	--	--	--	--
VII.Profit after Tax (V-VI)	--	--	--	--	--

नोट : 1. निरपेक्ष परिवर्तन व प्रतिशत परिवर्तन ऋणात्मक होने पर उन्हे कोष्ठक में लिखा जाता हैं।
2. उपभोग की गई सामग्री =कच्चे माल का प्रा.स्टॉक+ क्रय कच्चे माल का अन्तिम स्टॉक
3. स्टॉक का क्रय = पुर्नबिक्री के लिए क्रय किया माल–क्रय वापसी
4. परिचालन से आय : विक्रय (विक्रय वापसी घटाकर), विकृत माल की बिक्री, सेवाओं से प्राप्ति, यदि वित्तीय कम्प्पनी हैं तो अर्जित ब्याज, लाभांश व सेवा चार्जेज।
5. अन्य आयों में गैर व्यापारिक क्रियाओं से आय सम्मिलित हैं।

उदाहरण 3 : निम्नांकित सूचनाओं से ए. लि. का तुलनात्मक आय विवरण बनाइये। (From the following informations & prepare Comparative Income Statement).

Particulars	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
1	2	3
Revenue from Operations (Sales)	4,00,000	6,00,000
Purchase of Stock-in-Trade (net Purchase)	2,50,000	3,50,000
Change in Inventories of Finished Goods, Work-in-Progress and Stock in Trade	60,000	60,000
OtherExpenses (% of cost of revenue from Operations)	10%	10%
Tax	30%	30%

हल :

Comparative Income Statement
for the year ended 31st March 2016 & 2017

Particulars	Note No.	Previous year	Current year	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 (4-3) ₹	6 ($\frac{5}{3}$ x100)
I. Revenue from Operations	--	400000	600000	200000	50.00
II. Total Revenue	--	**4,00,000**	**6,00,000**	**2,00,000**	**50.00**
III.Expenses					
(a) Purchase of Stock in Trade	--	2,50,000	3,50,000	1,00,000	40.00
(b) Change in Inventories of Stock-in-Trade	--	60,000	60,000	--	--
(c) Other Expenses	--	31,000	41,000	10,000	32.26
Total Expenses		3,41,000	4,51,000	1,10,000	32.26
IV. Profit before Tax (II-III)	--	59,000	1,49,000	90,000	152.54
V. Less: Income Tax	--	17,700	44,700	27,000	152.54
VI. Profit after Tax (IV-VI)	--	**41,300**	**1,04,300**	**63,000**	**152.54**

नोट : Cost of revenue from operations (Cost of good sold) = Purchases + Changes in Inventories.
अतः 2015-15 के लिए अन्य व्यय ₹ 2,50,000+60,000= 3,10,000 x 10% = ₹ 31,000
2016-17 के लिए अन्य व्यय ₹ 3,50,000+60,000= 4,10,000 x 10% = ₹ 41,000

उदाहरण 4 : लाभ–हानि खाते से ली गई निम्नांकित सूचनाओं से जेड .लि. का तुलनात्मक लाभ हानि खाता तैयार कीजिये। Following information extracted from Statement of profit & loss of Z Ltd., prepare Comparative Income Statement).

Particulars	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
1	2	3
Revenue from Operations	50,00,000	70,00,000
Employees Benefit Expenses	5,00,000	6,00,000
Depreciation and Amortisation Expenses	1,00,000	1,20,000

Purchase of Stock-in-Trade	25,00,000	30,00,000
Chage in Inventories of Stock-in-Trade	1,50,000	2,00,000
Other Expenses	2,00,000	3,00,000
Tax Rates 30%		

हल :

Particulars	Note No.	Previous year	Current year	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 (4-3) ₹	6 ($\frac{5}{3}$x100)
I. Revenue from Operations	--	50,00,000	70,00,000	20,00,000	40.00
II. Total Revenue	--	**50,00,000**	**70,00,000**	**20,00,000**	**40.00**
III. Expenses					
(a) Purchase of Stock-in-Trade	--	25,00,000	30,00,000	5,00,000	20.00
(b) Chage in Inventories of Stock-in-Trade	--	1,50,000	2,00,000	50,000	33.33
(c) Employees Benefit Expenses	--	5,00,000	6,00,000	1,00,000	20.00
(d) Depreciation and Amortisation Expenses	--	1,00,000	1,20,000	20,000	20.00
(e) Other Expenses	--	2,00,000	3,00,000	1,00,000	50.00
Total Expenses		**34,50,000**	**42,20,000**	**7,70,000**	**22.32**
IV. Profit before Tax (II-III)	--	15,50,000	27,80,000	12,30,000	79.35
V. Less: Tax @30%	--	4,65,000	8,34,000	3,69,000	79.35
VI. Profit after Tax (IV-VI)	--	**10,85,000**	**19,46,000**	**8,61,000**	**79.35**

समानाकार वित्तीय विवरण
(Common Size Financial Statements)

वित्तीय समंकों को लम्बवत् प्रतिशतों के रूप में दिखाने वाले वित्तीय विवरण समानाकार विवरण कहलाते हैं। इसके अन्तर्गत चिट्ठा एवं लाभ हानि खाता (या आय खाता) की प्रत्येक मद का मूल्य लिखा जाता है। तत्पश्चात् इन अंकों को एक प्रमुख अंक (यथा व्यावसायिक क्रियाओं से आय अथवा कुल सम्पतियों, कुल दायित्वों) के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता हैं अथवा लाभ–हानि खाते की प्रत्येक मद व्यवसायिक क्रियाओं से आय के प्रतिशत के रूप में दिखाई जाती हैं। यदि चिट्ठे व आय विवरण की मदों को प्रतिशत में प्रस्तुत की जाय तो तुलना के लिए सर्वनिष्ठ आधार तैयार हो जाता है। इस प्रकार तैयार किये गये विवरणों को समानाकार वित्तीय विवरण कहते हैं। यह विवरण पत्र एक वर्ष, दो वर्ष या अधिक के लिए बनाया जाता हैं। लम्बवत् विश्लेषणों का उपयोग सामान्यतयाः अन्तर्फर्म तुलना (Inter firm comparison) में किया जाता हैं। जिसमें एक अवधि के मूल्यों की दो या अधिक फर्म ही तुलना होती हैं। किन्तु एक ही कम्पनी के दो या अधिक वर्षों के समानाकार विवरण बनाने पर यह अन्तःफर्म तुलना (Intra firm comparison) हो जाती हैं तथा प्रवृति विश्लेषणों में उपयोगी हैं।

समानाकार चिट्ठा (Common Size Balance Sheet) : इसके अन्तर्गत कुल सम्पतियाँ/कुल दायित्व से प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में प्रकट किया जाता हैं। कुल सम्पति को 100 मानकर सम्पति पक्ष की प्रत्येक मद का उससे प्रतिशत ज्ञात किया जाता है। इसी प्रकार कुल दायित्व को 100 मानते हुए दायित्व पक्ष ही प्रत्येक मद को उससे प्रतिशत ज्ञात किया जाता हैं। यदि यह एक से अधिक वर्षों के लिए बनाया जाता है तो प्रत्येक मद की प्रवृति का मापन किया जा सकता हैं तथा यदि इसे एक उद्योग की विभिन्न फर्मों के लिए बनाया जाता है तो इससे वित्तीय सुदृढ़ता की सापेक्ष स्थिति की जानकारी कर वित्तीय व्यूह रचना को समझने में आसानी होती है। इसे 100 प्रतिशत विवरण पत्र भी कहते है।

समानाकार चिट्ठे के उद्देश्य :

1. चिट्ठे की प्रत्येक मद में होने वाले परिवर्तन का विश्लेषण करना है।
2. सम्पति दायित्वों की विभिन्न मदों की प्रवृति का मापन करना हैं।
3. इसके माध्यम से वित्तीय सुदृढता का मापन व वित्तीय व्यूह रचना को समझना हैं।

समानाकार चिट्ठे का निर्माण (Preparation of Common Size Balance Sheet) : समानाकार चिट्ठे को बनाते

समय निम्नांकित कॉलम बनाये जाते हैं।

प्रथम कॉलम : इस कॉलम में चिट्ठे की मदों के नाम लिखने हैं।

द्वितीय कॉलम : चिटठे की प्रत्येक मद का नोट नम्बर उपलब्ध चिट्ठे से लिखना है।

तीसरा कॉलम : सम्पति व दायित्वों की प्रत्येक मद की पिछले वर्ष की राशि लिखनी है।

चतुर्थ कॉलम : सम्पति व दायित्वों की प्रत्येक मद की चालू वर्ष की राशि लिखी जाती हैं।

पांचवा कॉलम : चिट्ठे के योग को 100 मानते हुए पिछले वर्ष की प्रत्येक मद का उससे प्रतिशत ज्ञात कर इस कालम में लिखा जाता है।

छठा कॉलम : चिट्ठे के योग को 100 मानते हुए चालू वर्ष की चिट्ठे की प्रत्येक मद का उससे प्रतिशत ज्ञात कर इस कॉलम में लिखा जाता है।

जैसेः सम्पति पक्ष का योग ₹ 10,00,000 हो तथा गैर चालू सम्पतियों में स्थायी सम्पति की राशि ₹ 4,00,000 हो तो स्थायी सम्पति के सामने $\frac{4,00,000}{10,00,000} \times 100 = 40$ प्रतिशत लिखेंगे।

नोट : **1.** दो फर्मों में तुलना होने पर कालम 3 व 4 में पृथक–पृथक फर्म के मूल्य लिखते हैं तथा 5 व 6 में फर्म के चिट्ठे को 100 मानते हुए उससे प्रतिशत लिखते हैं। **2.** यदि एक ही फर्म के चालू वर्ष की मदों के लिए गणना करनी हो तो कॉलम 3 व 5 नहीं बनायेंगे।

Common Size Balance Sheet

Particulars	Note No.	Absolute Amount ₹		Percentage of Balance Sheets Total	
		Previous Year	Current Year	Previous Year	Current Year
1	2	3	4	5=(3/total x100)	5=(4/total x100)
EQUITY AND LIABILITIES					
1. **Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :	--	--	--	--	--
(i) Equity Share Capital	--	--	--	--	--
(ii) Preference Share Capital	--	--	--	--	--
(b) Reserves and Surplus	--	--	--	--	--
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings	--	--	--	--	--
(b) Long Term Provisions	--	--	--	--	--
3.**Current Liabilities**					
(a) Short term Borrowings	--	--	--	--	--
(b) Trade Payables (Creditors)	--	--	--	--	--
(c) Other Current Liabilities	--	--	--	--	--
(d) Short-term Provisions	--	--	--	--	--
Total	--	--	--	--	--
II. ASSETS					
2. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)	--	--	--	--	--
(i) Tangible Assets	--	--	--	--	--
(ii) Intangible Assets	--	--	--	--	--
(b) Non -current Investments	--	--	--	--	--
(c) Long -term Loans and Advances	--	--	--	--	--
3.Current Assets					
(a) Current Investment	--	--	--	--	--
(b) Inventories	--	--	--	--	--
(c) Trade Receivables	--	--	--	--	--
(d) Cash and Cash Equivalents	--	--	--	--	--
(e) Short -term Loans and Advances	--	--	--	--	--
(f) Other Current Assets	--	--	--	--	--
Total	--	--	--	--	--

नोट : 1. दो फर्मों में तुलना होने पर कालम 3 में प्रथम फर्म, कॉलम 4 में द्वितीय फर्म के मूल्य, कॉलम 5 में प्रथम फर्म का प्रतिशत परिवर्तन व कॉलम 6 में द्वितीय फर्म का प्रतिशत परिवर्तन लिखते हैं। 2. यदि एक ही फर्म के चालू वर्ष की मदों के लिए विश्लेषण करना हो तो कॉलम 3 व 5 नहीं बनायेंगे।

उदाहरण 5: एबीसी लिमिटेड की निम्नांकित सूचनाओं से समानाकार चिठ्ठा बनाइये

Balance Sheets
As On 31st March 2016 and 2017

Particulars	Note No.	31st March 2016 ₹	31st March 2017 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1.**Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :	--	4,00,000	8,00,000
(i) Equity Share Capital	--		
(b) Reserves and Surplus	--	2,00,000	3,00,000
2.Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings	--	6,00,000	8,00,000
3.Current Liabilities			
(a) Trade Payables (Creditors)	--	4,00,000	1,00,000
Total		16,00,000	20,00,000
II. ASSETS			
2. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets (Tangible)		10,00,000	17,00,000
3. Current Assets			
(a) Cash and Cash Equivalents		6,00,000	3,00,000
Total		16,00,000	20,00,000

हल :

Common Size Balance Sheet
As On 31st March 2016 and 2017

Particulars	Note No.	Absolute Amount		Percentage of Balance Sheets Total	
		31st March 2016	31st March 2017	31st March 2016	31st March 2017
1	2	3	4	5=(3/total x100)	5=(4/total x100)
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1.**Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :	--	4,00,000	8,00,000	25.00	40.00
(b) Reserves and Surplus	--	2,00,000	3,00,000	12.50	15.00
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings	--	6,00,000	8,00,000	37.50	40.00
3.**Current Liabilities**					
(a) Trade Payables	--	4,00,000	1,00,000	25.00	5.00
Total		16,00,000	20,00,000	100.00	100.00
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)		10,00,000	17,00,000	62.50	85.00
2. Current Assets					
(a)Cash and Cash Equivalents		6,00,000	3,00,000	37.50	15.00
Total		16,00,000	20,00,000	100.00	100.00

उदाहरण 6 : ए एवं सी लिमिटेड के निम्नांकित चिट्ठों से समानाकार चिट्ठा बनाइये।
Prepare Common Size Balance Sheet of A and C Ltd. from the following Balance Sheets.

Balance Sheets
As at 31st March 2017

Particulars	Note No.	31st March 2017 (₹) A Ltd.	31st March 2017 (₹) C Ltd.
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1.**Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :	--	3,00,000	5,00,000
(b) Reserves and Surplus	--	1,00,000	2,00,000
2.Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings	--	2,00,000	3,00,000
3.**Current Liabilities**			
(a) Short term Borrowings	**1**	50000	1,00,000
(b) Trade Payables	--	1,50,000	2,50,000
(c) Other Current Liabilities	--	2,50,000	1,50,000
(d) Short-term Provisions	--	1,50,000	1,00,000
Total		**12,00,000**	**16,00,000**
II. ASSETS			
1. Non-Current Assets			
(a) Fixed Assets (Tangible) (net)		5,00,000	6,00,000
(b) Non-current Investments		1,00,000	2,00,000
2. Current Assets			
(a) Inventories		2,00,000	3,00,000
(b) Trade Receivables		1,50,000	2,50,000
(c) Cash and Cash Equivalents		1,00,000	2,00,000
(d) Other Current Assets	**2**	1,50,000	50,000
Total		**12,00,000**	**16,00,000**

Notes to the Accounts:

Particulars	31st March 2017 (₹) A Ltd.	31st March 2017 (₹) C Ltd.
1. Long-term Borrowings		
(a) Bank	75,000	1,00,000
(b) Debentures	1,25,000	2,00,000
	2,00,000	3,00,000
2. Other Current Assets		
(a) Prepaid expenses	1,50,000	50,000

हल :

Common Size Balance Sheet
As at 31st March, 2017

Particulars	Note No.	Absolute Amount ₹		Percentage of Balance Sheets Total	
		31st March 2016	31st March 2017	31st March 2017 A Ltd.	31st March 2017 C Ltd.
I EQUITY AND LIABILITIES					
1.**Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :	--	3,00,000	5,00,000	25.00	31.25
(b) Reserves and Surplus	--	1,00,000	2,00,000	8.33	12.50
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings -Bank Loan	--	75,000	1,00,000	6.25	6.25
-Debentures	--	1,25,000	2,00,000	10.42	12.50

3.**Current Liabilities**					
(a) Shortterm Borrowings	--	5,00,00	1,00,000	4.17	6.25
(b) Trade Payables (Creditors)	--	1,50,000	2,50,000	12.50	15.63
(c) Other Current Liabilities	--	2,50,000	1,50,000	20.83	9.37
(d) Short-term Provisions	--	1,50,000	1,00,000	12.50	6.25
Total		**12,00,000**	**16,00,000**	**100.00**	**100.00**
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets(Tangible) (net)		5,00,000	6,00,000	41.67	37.50
(b) Non-current Investments		1,00,000	2,00,000	8.33	12.50
2. Current Assets					
(a) Inventories		2,00,000	3,00,000	16.67	18.75
(b) Trade Receivables		1,50,000	2,50,000	12.50	15.67
(c) Cash and Cash Equivalents		1,00,000	2,00,000	8.33	12.50
(d) Other Current Assets -Prepaid Exp.	**2**	1,50,000	50,000	12.50	3.12
Total		**12,00,000**	**16,00,000**	**100.00**	**100.00**

समानाकार लाभ हानि खाता (आय विवरण)

(Common Size Statement of Profit & Loss (Income Statement))

इस विवरण पत्र में व्यावसायिक क्रियाओं से आय (विक्रय) को 100 मानते हुए प्रत्येक व्यय की मद को इससे प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है। जैसे विक्रय ₹ 10,00,000 हो तथा व्यापारिक स्टॉक का क्रय ₹ 5,00,000 हो तो व्यापारिक स्टॉक का क्रय विक्रय का 50 प्रतिशत हैं।

समानाकार आय के विवरण का उद्देश्य :

1 .आय विवरण की प्रत्येक मद में हुए परिवर्तनों की जानकारी करना हैं। **2.** व्यवसाय की कुशलता की जानकारी प्राप्त करना हैं। **3.** आय व व्यय की प्रत्येक मद की प्रवृति का अध्ययन करना हैं।

समानाकार लाभ हानि खाता (आय विवरण) का निर्माण

(Preparation of common size Statements of Profit & Loss Account)

इसे बनाने के लिए छः चरण हैः–

प्रथम कॉलम : इसके अन्तर्गत आय व्यय की सभी मदों के नाम लिखे जाते है।

द्वितीय कॉलम : इस कॉलम में प्रत्येक मद के सामने आय विवरण।

तीसरा कॉलम : इस कॉलम में पिछले वर्ष की प्रत्येक मद की राशि उसके सम्मुख लिखते हैं किन्तु यदि यह दो फर्मों की तुलना के लिए बनाया गया है तो एक फर्म की उस वर्ष की प्रत्येक मद की राशि उसके नाम के सम्मुख लिखते है।

चतुर्थ कॉलम : इस कॉलम में चालू वर्ष की प्रत्येक मद की राशि उसके सम्मुख लिखते है। किन्तु यदि यह दो फर्मों की तुलना के लिए बताया गया है। तो दूसरी फर्म की उस वर्ष की प्रत्येक मद की राशि उसके नाम के सम्मुख लिखते हैं।

पांचवा कॉलम : इस कॉलम में पिछले वर्ष की संचालन से आय (विक्रय) को 100 मानते हुए प्रत्येक मद का उससे प्रतिशत लिखा जाता हैं।

छठा कॉलमः इसमें चालू वर्ष की संचालन से आय (विक्रय) को 100 मानते हुए प्रत्येक मद का उससे प्रतिशत लिखा जाता हैं।

नोट : 1. दो फर्मों में तुलना होने पर कालम 3 व 4 में पृथक–पृथक फर्म के मूल्य लिखते हैं तथा 5 व 6 में पृथक पृथक फर्म के चिट्ठे को 100 मानते हुए उससे प्रतिशत लिखते हैं। **2.** यदि एक ही फर्म के चालू वर्ष की मदों के लिए गणना करनी हो तो कॉलम 3 व 5 नहीं बनायेंगे।

समानाकार लाभ–हानि खाते (आय खाते) का प्रारूप

(Format of Common Size Statement of Profit and Loss)

Particulars 1	**Note No.** 2	**Absolute Amount** 3	4	**Percentage of Revenue from operations** 5	6
		Previous year ₹	**Current year ₹**	**Previous year**	**Current year**
I. Revenue from Operations		--	--	--	--
II. Other Income		--	--	--	--
III. Total Revenue (I+II)					

IV. Expenses		--	--	--	--
(a) Cost of Materials consumed					
(b) Purchases of Stock in Trade		--	--	--	--
(c) Change in Inventories of finished Goods, Work-in-progress and Stock-in-Trade		--	--	--	--
(d) Employees Benefit Expenses		--	--	--	--
(e) Financial Costs		--	--	--	--
(f) Depreciation and Amortisation Expenses		--	--	--	--
(g) Other Expenses		--	--	--	--
Total Expenses		--	--	--	--
V. Profit Before Tax (III-IV)		--	--	--	--
VI. Less : Income Tax		--	--	--	--
VII. Profit after Tax (V-VI)		--	--	--	--

नोट : 1. दो फर्मों में तुलना करनी हो तो कॉलम 3 में प्रथम फर्म के मूल्य, कॉलम 4 में द्वितीय फर्म के मूल्य, कॉलम 5 में प्रथम फर्म के प्रतिशत व कॉलम 6 में द्वितीय फर्म के प्रतिशत लिखते हैं।

2. जब एक ही फर्म की चालू वर्ष की मदों का विश्लेषण करना हो तो कॉलम 3 व 5 नहीं बनायेंगे।

उदाहरण 7 : ए लिमिटेड के 31 मार्च 2016 व 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लाभ–हानि खाते नीचे दिए गए है। समानाकार लाभ हानि खाता बनाइये। (Profit and Loss Account for the year ending 31st March 2016 & 2017 of A Ltd. are given below prepare Common Size Profit and Loss Account)

Particulars	Note No.	31st March 2017 ₹	31st March 2016 ₹
Income			
I. Revenue from Operations (Net Sales)		12,00,000	10,00,000
II. Expenses		--	--
(a) Purchases of Stock in Trade		8,00,000	6,00,000
(b) Change in Inventories of finished Goods, Work-in-progress and Stock- in-Trade		1,00,000	1,00,000
(c) Depreciation and Amortisation Expenses		1,00,000	1,20,000
(d) Other Expenses		50,000	80,000
Total Expenses		**10,50,000**	**9,00,000**
III. Profit Before Tax (I-II)		1,50,000	1,00,000
IV. Less : Income Tax		45,000	30,000
V. Profit after Tax (III-IV)		**1,05,000**	**70,000**

हल :

Common Size Statement of Profit and Loss
for the year ended 31st March 2016 and 2017

Particulars	Note No.	Absolute Amount ₹		Percentage of Revenue from operations	
		31 March 2016	31 March 2017	31 March 2016	31 March 2017
I. Revenue from Operations		10,00,000	12,00,000	100.00	100
II. Total Revenue (I+II)		**10,00,000**	**12,00,000**	**100.00**	**100**
III. Expenses		--	--	--	--
(a) Purchases of Stock in Trade		6,00,000	8,00,000	60.00	66.67

(b) Change in Inventories of finished Goods, Work in progress and Stock in Trade		1,00,000	1,00,000	10.00	8.33
(c) Depreciation and Amortisation Expenses		1,20,000	1,00,000	12.00	8.33
(d) Other Expenses		80,000	50,000	8.00	4.17
Total		**9,00,000**	**10,50,000**	**90.00**	**87.50**
IV. Profit Before Tax (III-IV)		1,00,000	1,50,000	10.00	12.50
V. Less : Income Tax		30,000	45,000	3.00	3.75
VI. Profit after Tax (V-VI)		**70,000**	**1,05,000**	**7.00**	**8.75**

उदाहरण 8 : वाई एंड जेड लिमिटेड के निम्नांकित लाभ–हानि खातों से समानाकार लाभ हानि खाता बनाइये।
(From the following Statement of Profit and Loss of Y and Z Ltd., prepare Common size statement of Profit and Loss)

Particulars	**Note No.**	**31st March 2017 ₹**	**31st March 2017 ₹**
		Y Ltd.	Z Ltd.
Income	1		
I. Revenue from Operations		18,00,000	20,00,000
II. Other Income		50.000	60,000
III. Total Revenue (I+II)		18,50,000	20,60,000
IV. Expenses			
(a) Purchases of Stock in Trade		10,00,000	12,00,000
(b) Change in Inventories of finished Goods, Work-in-progress and Stock-in-Trade		2,00,000	3,00,000
(c) Employees Benefit Expenses		2,50,000	1,60,000
(d) Other Expenses	2	2,00,000	1,00,000
Total Expenses		**16,50,000**	**17,60,000**
V. Profit Before Tax (I-II)		2,00,000	3,00,000
VI. Less : Income Tax		60,000	90,000
VII. Profit after Tax (III-IV)		**1,40,000**	**2,10,000**

Notes to the Accounts:

Particulars	**31st March 2017 ₹**	**31st March 2017 ₹**
	Y Ltd.	Z Ltd.
Revenue from Operations (Sales)	18,20,000	20,30,000
Less: Returns	20,000	30,000
Other Expenses	18,00,000	20,00,000
(a) Administrative Expenses	1,50,000	80,000
(b) Miscellaneous Expenses (Non Operative)	50,000	20,000
	2,00,000	**1,00,000**

Common Size Statement of Profit and Loss
for the year ended 31st March 2017

Particulars	**Note No.**	**Absolute Amount ₹**		**Percentage of Revenue from operations**	
		Y Ltd.	Z Ltd.	Y Ltd.	Z Ltd.
		31 March 2017	**31 March 2017**	**31 March 2017**	**31 March 2017**
I. Revenue from Operations Sales less returns	1	18,00,000	20,00,000	100.00	100.00

II. Other Income		50,000	60,000	2.77	3.00
III. Total Revenue (I+II)		**18,50,000**	**26,00,000**	**102.77**	**103.00**
IV. Expenses					
(a) Purchases of Stock-in-Trade		10,00,000	12.00,000	55.55	60.00
(b) Change in Inventories of finished Goods, Work-in-progress and Stock-in-Trade		2,00,000	3,00,000	11.11	15.00
(c) Employees Benefit Expenses		2,50,000	1,60,000	13.89	8.00
(d) Other Expenses	2				
Administrative Expenses		1,50,000	80,000	8.33	4.00
Miscellaneous expenses (Non Operative)		50,000	20,000	2.78	1.00
Total Expenses		**16,50,000**	**17,60,000**	**91.66**	**88.00**
V. Profit Before Tax (III-IV)		2,00,000	3,00,000	11.11	15.00
VI. Less : Income Tax		60,000	90,000	3.33	4.50
VII. Profit after Tax (V-VI)		**1,40,000**	**2,10,000**	**7.78**	**10.50**

प्रवृत्ति विश्लेषण
(Trend Analysis)

किसी भी अध्ययन के आधार वर्ष की तुलना में अध्ययन के शेष वर्षो में वित्तीय विवरणों की मदों में हुए परिवर्तनों की दिशा के आधार पर व्यापार की वित्तीय स्थिति के अध्ययन करने की विधि है। किसी भी संस्था की प्रगति या अवनति रुख की जानकारी प्राप्त करने के लिए अनेक वर्षों के आँकड़ो का अध्ययन व विश्लेषण किया जाना आवश्यक हैं। इसके लिए वित्तीय विवरण की प्रत्येक मद का उसी के आधार वर्ष की राशि से हुई कमी या वृद्धि को प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है। इस विधि के माध्यम से किसी संस्था की कई अवधियों में कार्य निष्पादन की जाँच सम्भव है। व्यवसाय की प्रकृति अध्ययन के लिए निम्नांकित तीन विधियाँ अपनाई जाती हैः–

1.**प्रवृति प्रतिशतः (Trend Percentage)** इस विधि में सर्वप्रथम कई वर्षों के वित्तीय विवरणों की सूचनाओं का सारणीयन कर लेते हैं। इनमें से किसी एक वर्ष को आधार मानकर अन्य वर्षों की वृद्धि या कमी ज्ञात कर ली जाती है। सामान्यतः प्रथम वर्ष को आधार माना जाता है। इस प्रकार ज्ञात वृद्धि या कमी को आधार वर्ष के आधार पर प्रतिशत वृद्धि या कमी निम्न सूत्रानुसार ज्ञात कर लेते हैं। इसी प्रकार आगे के वर्षो की गणना की जाएगी।

$$\text{आधार वर्ष की अपेक्षा वृद्धि/कमी (\%)} = \frac{\text{सम्बन्धित वर्ष की राशि में आधार वर्ष की अपेक्षा वृद्धि या कमी}}{\text{आधार वर्ष की संबंधित राशि}} \times 100$$

उदाहरण 9 : एक संस्था की परिचालन से आय की सूचना निम्नानुसार है। वर्ष 2012–13 को आधार मानते हुए वर्ष 2016 –17 तक हुए परिवर्तनों के मापन हेतु प्रवृति प्रतिशत ज्ञात करो।

(Following are the informations of an enterprise with regard to revenue from operations. Taking base 2012 -13 calculate trend percentage for measuring the changes.)

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
परिचालन से आय (शुद्ध बिक्री) लाखों ₹ में	10	12	09	16.5	18

हल : **Statement showing Trend of Revenue from Operations**

(लाखों ₹ में)

वर्ष	शुद्ध बिक्री	आधार वर्ष की अपेक्षा कमी या वृद्धि	आधार वर्ष की अपेक्षा वृद्धि/या कमी प्रतिशत में
2012-13	10	--	--
2013-14	12	2.00	20%
2014-15	9	(1.00)	(10%)
2015-16	16.5	6.50	65%
2016-17	18.0	8.00	80%

$$\text{आधार वर्ष की अपेक्षा वृद्धि / कमी (\%)} = \frac{\text{सम्बन्धित वर्ष की राशि में आधार वर्ष की अपेक्षा वृद्धि या कमी}}{\text{आधार वर्ष की संबंधित राशि}} \times 100$$

$$\text{अर्थात 2013-14 के लिए} = \frac{2}{10} \times 100 = 20\%$$

इसी प्रकार आगे के वर्षो की गणना की जाएगी।

केवल पिछले वर्ष की तुलना में अगले वर्ष में किस मद में कितना प्रतिशत वृद्धि या कमी हुई है। इससे कोई निष्कर्ष निकालने में कठिनाई होती है। क्योकिं मदों में नियमितता का अभाव रहता है। वित्तीय विवरणों से विश्लेषण की दृष्टि से प्रवृति प्रतिशत विधि ज्यादा उचित है।

2. प्रवृत्ति अनुपात (Trend Ratio) : सामान्यतया प्रवृति प्रतिशत से तुलना की जाती हैं। किन्तु कभी–कभी तुलना के लिए इन्हें भी उपयोगी न मानकर आधार वर्ष को 100 मानते हुए अन्य वर्षों की राशियों को उसी अनुपात में परिवर्तित कर लिया जाता है। इस प्रकार ज्ञात अनुपात, प्रवृति अनुपात कहलाता है।

$$\text{प्रवृति अनुपात} = \frac{\text{इस मद की चालू वर्ष की राशि}}{\text{उस मद की आधार वर्ष की राशि}} \times 100$$

इस प्रकार ज्ञात यह अनुपात सांख्यिकी के सूचकांकों की भांति ही होते हैं। इन अनुपातों की सहायता से एक विश्लेषक व्यवसाय के विभिन्न कारकों की गतिविधियों का विश्लेषण कर परिवर्तन की स्पष्ट व्याख्या कर सकता है।

उदाहरण 10 : निम्नांकित सूचनाओं से लाभ हानि खाते की विभिन्न मदों के प्रवृति अनुपात 2012-13 को आधार मानते हुए ज्ञात करो। (From the following informations, calculate trend ratio taking base 2012-13 for the various items of Profit and Loss Account)

(लाखों ₹ में)

वर्ष	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**
परिचालन से आय (शुद्ध बिक्री)	50	52	55	58	65
व्यापारिक स्टॉक का क्रय	25	26	28	30	35
लाभ–हानि (कर से पूर्व)	2	2.5	3	2.50	4

हल :

(आधार वर्ष 2012-13) **Calculation of Trend Ratio** (लाखों ₹ में)

वर्ष	Net Sales		Percentage of stock- in-trade		Profit/Loss (Before Tax)	
	Amount ₹	Trend Ratio	Amount ₹	Trend Ratio	Amount ₹	Trend Ratio
2012-13	50	100	25	100	2.0	100
2013 14	52	104	26	104	2.5	125
2014 15	55	110	28	112	3.0	150
2015-16	58	116	30	120	2.5	125
2016 17	65	130	35	140	4.0	200

इन प्रवृति अनुपातों (सूचक अंकों) की सहायता से वित्तीय विश्लेषक परिवर्तनों का मापन व व्याख्या कर सकता हैं।

3.बिन्दुरेखीय चित्रमय प्रदर्शन (Graphic or Diagrammatic Presentation) : उपरोक्त प्रकार से ज्ञात प्रवृतियों को रेखा चित्रों व चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया जा सकता हैं। यह चित्रण दो या अधिक सम्बंधित मदों की सुगम तुलना हेतु एक साथ भी प्रदर्शित किया जा सकता है। कम्पनियों के अंशधारी सामान्यतः वाणिज्य के विद्यार्थी नहीं होते है अतः बहुधा कम्पनियाँ अपने प्रकाशित लेखों के साथ सरल व सुगम अध्ययन हेतु अपना प्रगति विवरण बिन्दु रेखीय चित्रों या अन्य चित्रों के द्वारा प्रस्तुत करती है जिसमें प्रगति या अवनति की प्रवृति समझने में आसानी रहती है।

उदाहरण 11: एक कम्पनी के कर के पश्चात लाभ व समता पूँजी की सूचना आप इन सूचनाओं को दण्ड चित्र एवं रेखा चित्र के माध्यम से प्रस्तुत कीजिये। (Present the following informations of a company regarding equity share capital and profit after tax by preparing bar diagram and also through graph)

वर्ष	समता पूंजी ₹	कर पश्चात शुद्ध लाभ ₹
2012 13	50,00,000	5,00,000
2013 14	60,00,000	7,00,000
2014 15	60,00,000	7,50,000
2015 16	65,00,000	8,00,000
2016-17	65,00,000	9,00,000

हल :

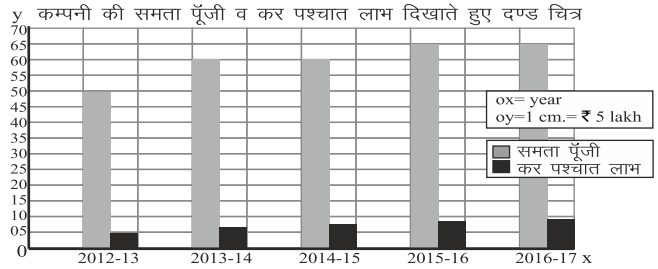

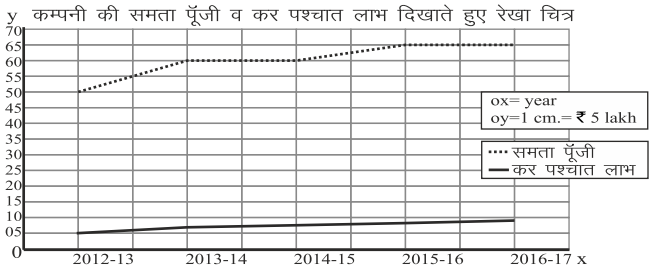

प्रवृति विश्लेषण की उपयोगिता :

1. इस विधि से परिवर्तनों की दिशा बोध का ज्ञान आसानी से होता है क्योंकि समंक दो से अधिक वर्षो प्रस्तुत किए जाते हैं।
2. इस विधि में चित्रमय प्रदर्शन के माध्यम से भी सूचनाओं को प्रस्तुत करने से सामान्य व्यक्ति तक इसकी पहुँच होती है।
3. वित्तीय सूचनाओं को संक्षिप्त में प्रस्तुत करने से अधिक उपयोगी हैं।

प्रवृति विश्लेषण की सीमाएं (Limitations of Trend Analysis) :

विश्लेषण के लिए इस विधि का उपयोग करते समय इसकी सीमाओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। अन्यथा विश्लेषण से की गई व्याख्या भ्रामक होगी।

1. प्रवृति प्रतिशत या अनुपात किसी आधार वर्ष पर आधारित होते है। यदि किन्हीं कारणों से आधार वर्ष सामान्य न हो तो प्राप्त निष्कर्ष भ्रामक होने की संभावना रहती हैं।
2. तुलना का आधार समान न होने पर निष्कर्ष असंगत हो सकते है। अतः यदि दी गई वित्तीय सूचना मान्य लेखांकन सिद्धान्तों पर आधारित नहीं है अथवा पृथक–पृथक मान्यताओं पर आधारित है तो तुलना भ्रामक परिणाम दे सकती हैं।
3. केवल एक मद की प्रवृति का अध्ययन उतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं जब तक कि सापेक्षिक तुलना के लिए किसी अन्य मद की प्रवृति की जानकारी भी होनी चाहिए। जिससे सम्बन्ध स्थापित कर तुलनात्मक अध्ययन हो सके।
4. तुलना के लिए निरपेक्ष व सापेक्ष दोनों प्रकार के परिवर्तनों का अध्ययन प्रवृति प्रतिशत में अधिक दिखेगा। अतः मूल समंकों में परिवर्तन की भी जांच आवश्यक हैं।

सारांश (Summary)

–**वित्तीय विवरण** : वित्तीय विवरण, वित्तीय लेखांकन का अंतिम उत्पाद है जिसका उद्देश्य एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की आर्थिक स्थिति ज्ञात करना तथा एक निश्चित समयावधि के क्रियाकलापों का परिणाम ज्ञात करना हैं।

–**वित्तीय विवरणों के एक सेट** में कम्पनी अधिनियम की धारा 2(40) के अनुसार चिट्ठा, लाभ–हानि खाता (आय–खाता) लेखा टिप्पणियाँ तथा व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ तथा रोकड़ प्रवाह विवरण सम्मिलित होते हैं।

– **वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ** :
- – व्यावसायिक क्रियाओं का सारांश
- – मुद्रा में व्यक्त
- – उपार्जन आधार पर निर्माण
- – भूतकाल पर आधारित
- – मान्य सिद्धांतो पर आधारित

– **वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता** :–
- – **आन्तरिक** : अंशधारक, प्रबंधक, कर्मचारी
- – **बाह्य** : बैंक वित्तीय संस्थाएं, ऋण पत्र धारक, लेनदार, भावी विनियोजक, सरकार, शोधकर्ता, व्यावसायिक परिषदें, सेबी

–**वित्तीय विवरणों की सीमाएँ** : 1. ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित 2. भेदभाव रहित नहीं 3. गुणात्मक तथ्यों का उपयोग नहीं 4. वित्तीय विवरण की शव परीक्षा के समान 5.तुलनीयता का अभाव 6. लेखांकन छल का प्रभाव 7. सभी उपयोगकर्ता की आवश्यकता की पूर्ति नहीं करता

–**वित्तीय विश्लेषण** : वित्तीय विवरणों के विभिन्न घटकों के मध्य सम्बंध स्थापित करने की एक प्रक्रिया है। जिससे संस्था की स्थिति व निष्पादन (Performance) की वास्तविक जानकारी हो सके।

–**वित्तीय श्लेषण के उद्देश्य** :
- 1.परिचालन कुशलता का मापन
- 2. लाभदायता का मापन
- 3.अंतःफर्म तुलना व अन्तःफर्म तुलना के सहायता
- 4.शोधन क्षमता का मापन
- 5. प्रवृति का मापन
- 6.आर्थिक सुदृढता का मापन
- 7.व्यावसायिक प्रगति का मूल्यांकन
- 8 .पूर्वानुमान में सहायक

–**वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं** :
- 1. केवल परिमाणात्मक अध्ययन
- 2.सामान्य स्वीकृति सिद्धान्तों का अभाव
- 3. निदानात्मक नहीं
- 4.मूल्य स्तर परिवर्तनों को ध्यान नहीं रखता
- 5. वित्तीय विवरणों की सीमाएं स्वतः ही विश्लेषण की सीमाएँ

–**वित्तीय विश्लेषण के प्रकार** :
- 1.बाह्य विश्लेषण
- 2.आन्तरिक विश्लेषण
- 3.क्षैतिज विश्लेषण
- 4.लम्बवत् विश्लेषण

–**वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें**:

तुलनात्मक चिट्ठा : यह एक क्षैतिज विश्लेषण है। जिसके अन्तर्गत चिट्ठे की प्रत्येक मद का दो या अधिक तिथियों में इनमें हुए परिवर्तनों की जानकारी निरपेक्ष अंकों में या वृद्धि या कमी के प्रतिशत के रूप में मापन किया जाता है।

तुलनात्मक लाभ–हानि खाता (आय विवरण) : तुलनात्मक लाभ–हानि खाता एक से अधिक अवधि के परिणामों में हुए परिवर्तनों की जानकारी निरपेक्ष अंको में या वृद्धि या कमी के प्रतिशत के रूप में मापन करने के लिए बनाया जाता है।

समानाकार चिट्ठा : इसके अन्तर्गत कुल सम्पति/कुल दायित्व से प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में प्रकट किया जाता है। यह लम्बवत् विश्लेषण है इसे 100 प्रतिशत चिट्ठा भी कहते है।

समानाकार लाभ–हानि खाता (आय खाता) : व्यावसायिक क्रियाओं से आय (शुद्ध बिक्री) से आय खाते ही प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में प्रकट किया जाता है।

समानाकार लाभ–हानि खाता (आय विवरण) : व्यावसायिक क्रियाओं से आय (शुद्ध बिक्री) से आय खाते ही प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में प्रकट किया जाता है।

प्रवृति विश्लेषण : किसी भी आधार वर्ष की एक मद ही तुलना आगे के वर्षों में उसी मद में हुए परिवर्तन की दिशा का मापन है।

बिन्दुरेखीय व चित्रमय प्रदर्शन : प्रवृति प्रतिशतों या प्रवृति अनुपातों को अध्ययन हेतु सरल व सुगम रूप में प्रदर्शन, चित्रमय या बिन्दुरेखीय प्रदर्शन कहलाता है।

प्रमुख शब्दावली (Key-Terms)

- **क्षैतिज विश्लेषण (Horizontal Analysis)** : वित्तीय विवरण में दी गई प्रत्येक मद में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन है।
- **लम्बवत विश्लेषण (Vertical Analysis)** : वित्तीय विवरणों के विभिन्न घटकों कें पारस्परिक सम्बन्ध अथा उनके योग के मध्य के सम्बन्ध विश्लेषण हैं।
- **अन्तःफर्म तुलना (Inter Firm Comparison)**: दो या दो से अधिक फर्म के वित्तीय विवरणों की एक अवधि के लिए तुलना व विश्लेषण करने को अन्तः फर्म तुलना कहते हैं।
- **अर्न्त फर्म तुलना (Intra Firm Comparison)** : एक फर्म के वित्तीय घटकों की एक से अधिक अवधि की तुलना कर निष्पति का विश्लेषण अर्न्तःफर्म तुलना कहलाती हैं।
- **अंशधारियों को कोष (Share holders funds)** : वह कोष जो अंशधारियों से सम्बन्धित है। इसमें अंश पूँजी, संचय एवं आधिक्य, अंश वारंट की बदले प्राप्त राशि शामिल हैं।
- **गैर चालू दायित्व (Non current Liabilities)** : कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार वे दायित्व जो चालू दायित्व की श्रेणी में नहीं आते है जिसमें दीर्घकालीन ऋण, स्थगित कर दायित्व (शुद्ध) अन्य दीर्घकालीन दायित्व व दीर्घकालीन आयोजन शामिल हैं।
- **चालू दायित्व (Current Liabilities)** : कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार वे दायित्व जो एक परिचालान चक्र में भुगतान हो जाते है या वित्तीय विवरण बनाने की तिथि के 12 माह के भीतर भुगतान हो जाते हैं। इसमें अल्पकालीन ऋण, व्यापारिक देयता, अन्य चालू या दायित्व व अल्पकालीन आयोजन शामिल हैं।
- **गैर चालू सम्पतियाँ (Non Current Assets)** : कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार वे सम्पतियां जो चालू सम्पतियां नहीं है। इसमें स्थायी सम्पतियां, गैर चालू विनियोग, स्थगित कर सम्पतियां (शुद्ध), ऋण एवं अग्रिम तथा गैर चालू सम्पतियां शामिल है।
- **दृश्यनीय सम्पतियाँ (Tangible Assets)** : वे स्थायी सम्पतियां जिनका भौतिक अस्तित्व होता हैं। जैसे भवन, मशीन आदि।
- **अदृश्यनीय सम्पतियाँ (Intangible Assets)** : वे सम्पतियां जिनका भौतिक अस्तित्व नहीं होता है। जैसे कृत स्वामित्व, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर आदि।
- **चालू सम्पतियाँ (Current Assets)**: कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार जो व्यापारिक राशियाँ वित्तीय विवरण बनने की तिथि से 12 माह में वसूल होने योग्य हो, परिचालन चक्र में प्राप्त हो जाते हो। इसमें चालू विनियोग, माल सूचियां, व्यापारिक प्राप्य, अल्पकालीन ऋण व अग्रिम, रोकड़ व रोकड़ के तुल्य तथा अन्य चालू सम्पतियां शामिल हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions for Excercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. क्षैतिज विश्लेषण के किस तकनीक या उपकरण का प्रयोग किया जाता है। (Which tool of teaching is used for horizontal Analysis)

(अ) चिट्ठा (Balance Sheet) **(ब)** तुलनात्मक विवरण व प्रवृति विश्लेषण (Comparative Statement & Trend Analysis) **(स)** समानाकार लाभ हानि खाता (Common Size Profit & Loss Account) **(द)** समानाकार चिट्ठा (Common Size Balance Sheet)

2. क्षैतिज विश्लेषण में ..... लेखांकन अवधियों के वित्तीय विवरणों की आवश्यकता होती है। (In horizontal Analysis financial Statement of..... accounting periods are necessary)

(अ) दो या अधिक (Two or more) **(ब)** केवल एक (Only one)
(स) अ व ब दोनों ही (A & B both) **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं (None of the above)

3. अन्तर फर्म तुलना को.....भी कहा जाता है।

(अ) काल श्रेणी विश्लेषण (Time series) **(ब)** प्रवृति विश्लेषण (Trend analysis)
(स) क्रॉस वर्गीय विश्लेषण (cross sectional analysis) **(द)** उपरोक्त सभी (All the above)

4 वित्तीय विश्लेषण हेतु सामान्यतया उपयोग लिये जाने वाले उपकरण है। (The most commonly tools used for financial analysis are)

(अ) अनुपात विश्लेषण (Ratio Analysis) **(ब)** क्षैतिज विश्लेषण (Horizontal Analysis)
(स) लम्बवत् विश्लेषण (Vertical Analysis) **(द)** उपरोक्त सभी (All the above)

5. समानाकार आय विवरण में विभिन्न मदों को..... के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। (In CommonSize

Income Statement, various items are presents as a percentage of……)
(अ) परिचालन से आय (Revenue from operations) **(ब)** सकल बिक्री (Gross Sales)
(स) शुद्ध आय (Net profit) **(द)** सकल आय (Gross profit)
6. समानाकार चिट्ठा ……भी कहलाता है। (Common Size Balance Sheet is also called as……)
(अ) प्रतिशत चिट्ठा (Percentage Balance sheet) **(ब)** प्रतिशत आय विवरण (Percentage Income Statement)
(स) निरपेक्ष अंकों का विवरण (Statement of absolute figures) **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं। (None of the above)
7. बेचे गये माल की लागत = (Cost of goods sold) =
(अ) क्रय+प्रत्यक्ष खर्चे (Purchage +Direct expenses) (ब) प्रारम्भिक स्टॉक+ माल का क्रय +प्रत्यक्ष खर्चे–माल का अंतिम स्टॉक (Opening Stock of material+ purchases of material + direct expenses-closing stock of materials) **(स)** माल का प्रारंभिक स्टॉक + माल का क्रय–माल का अंतिम स्टॉक (Opening Stock of material + purchases of material – closing stock of materials) **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं। (None of the above)
8. तुलनात्मक चिट्ठा, चिट्ठे की प्रत्येक मद में – …… होने वाले परिवर्तन को बताता है। (The Comparative Balance Sheet persents……changes between the each items of balance sheet)
(अ) सापेक्ष (Relative) **(ब)** निरपेक्ष (Absolute)
(स) निरपेक्ष व सापेक्ष (Absolute & Relative) **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं। (None of the above)
9. समानाकार चिट्ठे में कुल समता व दायित्वों को किसके समान माना जाता है। (In Common Size Balance Sheet, total of Equity and Liabilities are assumed to be equal to)
(अ) 1 **(ब)** 100 **(स)** 10 **(द)** 1000
10. लम्बवत विश्लेषण जाना जाता है। (Vertical Analysis is known as)
(अ) संचरनात्मक विश्लेषण (Structural Analysis) **(ब)** स्थैतिक विश्लेषण (Static Analysis)
(स) गतिशील विश्लेषण (Dynamic Analysis) **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं। (None of the above)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions)

1. वित्तीय विवरण का अर्थ बताइये। (Explain the meaning of financial Statement.)
2. कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार वित्तीय विवरणों के एक पूरे सेट में क्या–क्या शामिल किये जाते है। केवल नाम लिखो। (As per Companies Act 2013, what are included in a full set of financial statements, write only names.)
3. वित्तीय विवरणों की कोई दो प्रकृति लिखो। (Write any two nature of financial statements.)
4. वित्तीय विवरणों की कोई दो विशेषताएँ लिखो। (Write any two characteristics of financial statements.)
5. वित्तीय विवरणों के कोई दो आधारभूत सिद्धान्त लिखो। (Write any two essentials of financial statements.)
6. वित्तीय विवरण किस आधार पर व्यक्तिगत निर्णयों से प्रभावित होते है ? (How financial statements are affected by personal judgement.)
7. वित्तीय विवरणों के कोई चार बाह्य उपयोगकर्ताओं के नाम लिखो। (Write any four names of external users of financial statements.)
8. वित्तीय विवरणों की कोई चार सीमाएं लिखो। (Write any four limitations of financial statements.)
9. वित्तीय विश्लेषण का अर्थ बताओं। (Explain the meaning of financial statements .)
10. वित्तीय विश्लेषण के प्रकारों के नाम लिखो। (Write the names of types of financial analaysis.)
11. क्षैतिज व लम्बवत विश्लेषण में चार अन्तर बताओ। (Explain four difference between horizontal and vertical anlaysis.)
12. तुलनात्मक चिट्ठे से आप क्या समझते है? (What is meant by Comparative Balance Sheet.?)
13. तुलनात्मक आय विवरण से आप क्या समझाते है? (What is meant by Comparative Income Statements.?)
14. समानाकार चिट्ठे से आप क्या समझते है? (What is meant by Common Size Balance Sheet.?)
15. समानाकार आय खाता से आप क्या समझते है? (What is meant by Common Size Income Statement.?)
16. प्रवृति विश्लेषण से आप क्या समझते है? (What is meant by Trend Analysis.?)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. वित्तीय विवरणों की कोई चार विशेषताएँ समझाइये। (Narrate any four characteristics of financial statements.?)
2. वित्तीय विश्लेषण की तकनीकों के नाम लिखो। (Write down names of various techniques of financial analysis.?)
3. तुलनात्मक चिट्ठे का प्रारूप दीजिये। (Write a format of Comparative Balance Sheet)
4.निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक आय खाता बनाइये। (Prepare Comparative Income Statement from the following informations.)

Particulars	Note No.	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
Revenue		20,00,000	30,00,000
Other Income		4,00,000	3,60,000
Expenses		12,00,000	21,00,000

उत्तर : प्रतिशत परिवर्तन क्रमशः 50%, (10%), एवं 75%

5. निम्नांकित सूचनाओं से समानाकार लाभ हानि खाता बनाइये। (From the following informations, prepare Common Size Statement of Profit and Loss.

Particulars	Note No.	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
Revenue From operations		20,00,000	36,00,000
Total Expenses		12,00,000	24,00,000
Tax rate		30%	30%

उत्तर :

	Percentage of revenue from operations	
	2015-16	2016-17
Total Expenses	60%	60.67%
Profit before Tax	40%	33.33%
Profit before Tax	28%	23.33%

6. निम्नांकित सूचनाओं से व्यावसायिक क्रियाओं से आय की प्रवृति प्रतिशत ज्ञात करो। वर्ष 2010-11 को आधार मानिए।
(Calculate trend percentage of Revenue from Operations from the following informations, assume 2010-11 as base)

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-13	2014-15
शुद्ध बिक्री लाखों ₹ में	20	25	28	35	40

उत्तर :– प्रवृति प्रतिशत क्रमशः 25%, 40%, 75%, 100%

7. निम्नांकित सूचनाओं से कर्मचारियों के लाभों के लिए व्यय का प्रवृति अनुपात 2011-12 को आधार मानते हुए ज्ञात करो।
(Calculate trend ratio of Employees Benefit Expenses from the following informations, taking 2011-12 as base)

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
कर्मचारियों से संबंधित व्यय ₹	5,00,000	6,00,000	4,50,000	4,00,000	7,00,000

उत्तर : प्रवृति अनुपात क्रमशः 120, 90, 80, 140

8. समानाकार चिट्ठे का प्रारूप दीजिये। (Give format of Common Size Balance Sheet.)

9. क्षैजित व लम्बवत् विश्लेषणों से आप क्या समझते है? (What do you understand by horizontal and vertical analysis.?)

10. क्या क्षैजित व लम्बवत् विश्लेषण में कोई विरोधाभास है? (Is there any conflict between horizontal and vertical analysis.?)

11. वित्तीय विवरण विश्लेषण व्यावसायिक व्यवहारों की शव परीक्षा के समान है। क्या आप इससे सहमत है? (Financial Statement analysis is a postmortem of the business transaction are you agree?)

उत्तर : हां : यह भूतकालीन सूचनाओं से क्रियात्मक योग्यता, लाभदायकता व वित्तीय सुदृढता का मापन करता है।

12. अन्तः फर्म तुलना व अन्तफर्म तुलना के लिए वित्तीय विश्लेषण के कौनसे–कौनसे प्रकार का उपयोग करेंगे। (Which type of financial analysis will be used for inter-firm and intra-firm comparison.)

उत्तर : Horizontal Intra firm, दो या अधिक अवधियों, Vertical- inter-firm, single set की विभिन्न मदों

13. काल श्रेणी विश्लेषण व स्थैतिक विश्लेषण किन वित्तीय विश्लेषण प्रकारों के दूसरे नाम है। (Time series analysis and static analysis are the an other names of which type of financial analysis.)

14. तुलनात्मक लाभ हानि खाते का मुख्य शीर्षक दिखाते हुए प्रारूप बनाओ। (Prepare the format of Comparative Profit and Loss Account showing main headings.)

15. निम्नांकित चिट्ठे से समानाकार चिट्ठा बनाइये। (Prepare Common Size Balance Sheet from the following Balance Sheet)

Particulars	31st March 2017 ₹
I- EQUITY AND LIABILITIES	
1. **Shareholders' Funds**	
(a) Share Capital :	15,00,000
2. **Current Liabilities**	
(a) Trade Payables	5,00,000
	20,00,000
II. ASSETS	
1. Non Current Assets	
(a) Fixed Assets (Tangible)	16,00,000
2. **Current Assets**	
(a) Trade Receivables	4,00,000
	20,00,000

उत्तर :

Share Capital	Current Liabilities	Fixed Assets	Current Assets
75%	25%	80%	20%

16. निम्नांकित चिट्ठे से समानाकार चिट्ठा बनाइये। (Prepare Common Size Balance Sheet from the following Balance Sheet)

Particulars	31st March 2017 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES	
1. **Shareholders' Funds**	
(a) Share Capital :	4,00,000
(b) Reserves and Surplus	2,00,000
2. Non-Current Liabilities	
(a) Long-term Borrowings	1,50,000
3. Current Liabilities	
(a) Short term Borrowings	1,50,000
(b) Trade Payables	1,00,000
Total	**10,00,0000**
II. ASSETS	
1. Non Current Assets	
(i) Tangible Assets	6,00,000
(ii) Intangible Assets	1,00,000
2. Current Assets	
(i) Cash and Cash Equivalents	3,00,000
Total	**10,00,000**

उत्तर :

	Share Capital	Reserves and Surplus	LTB	STB	TP	TA	IA	Cash
प्रतिशत परिवर्तन	40%	20%	15%	15%	10%	60%	10%	30%

17. निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक चिट्ठा 31 मार्च 2017 को बनाइये। (Prepare Comparative Balance Sheet from the following informations as at 31st March 2016 - 2017)

Particulars	Note No.	31 March 2017 ₹	31 March 2016 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1. Shareholders' Funds			
(a) Share Capital :			
(i) Equity Share Capital		10,00,000	8,00,000
(b) Reserves and Surplus		4,00,000	3,00,000
2. Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings		6,00,000	5,00,000
1.**Current Liabilities**			
(a) Trade Payables		5,00,000	4,00,000
Total		**25,00,000**	**20,00,000**
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets			
(i) Tangible Assets		16,00,000	13,00,000
(ii) Intangible Assets		1,00,000	1,00,000
2. Current Assets			
(a) Trade Receivables		6,00,000	4,00,000
(b) Cash and Cash Equivalents		2,00,000	2,00,000
Total		**25,00,000**	**20,00,000**

उत्तर :

	Share Capital	Reserves and Surplus	LTB	TP	TA	IA	TR	Cash
प्रतिशत परिवर्तन	25%	33.33%	20%	25%	23.00%	--	50%	--

18. निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक चिट्ठा 31 मार्च 17 को बनाईये। (Prepare comparative balance sheet as on 31st March 2017 from the following informations.)

Particulars	Note No.	31 March 2017 ₹	31 March 2016 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1. **Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :			
(i) Equity Share Capital		20,00,000	16,00,000
(ii) Preference Share Capital		10,00,000	8,00,000
2.Non-Current Liabilities			
Long-term Borrowings		12,00,000	10,00,000
3.**Current Liabilities**			
(i) Trade Payables		5,00,000	4,00,000
(ii) Short term provisions		3,00,000	2,00000
Total		**50,00,000**	**40,00,000**
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
Fixed Assets		28,00,000	25,00,000
2. Current Assets			
(a) Trade Receivables		12,00,000	10,00,000
(b) Cash and Cash Equivalents		10,00,000	5,00,000
Total		**50,00,000**	**40,00,000**

उत्तर :	ES cap	PS Cap	LTB	TP	STP	FA	Invest.	Cash
प्रतिशत परिवर्तन	25%	25%	20%	25%	50%	12%	20%	100%

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions) :

1. वित्तीय विवरणों में हित रखने वाले पक्ष एवं उनकी उपयोगिता समझाइये। (Explain parties interested in financial statements and their utility.)
2. वित्तीय विवरणों की सीमाओं का उल्लेख करो। (Write down limitations of financial statements.)
3. वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्यों की व्याख्या करे। (Explain objectives of financial analysis.)
4. वित्तीय विश्लेषण की प्रक्रिया को समझाइये। (Explain produce of financial analysis.)
5. समानाकार चिट्ठा व समानाकार लाभ हानि खाते के प्रारूप बनाइये। (Give the format of Common Size Balance Sheet and Common Size Profit and Loss Account.)

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर	ब	अ	स	द	अ	अ	ब	स	ब	ब

आंकिक प्रश्न (Numerical Questions)

1. निम्नांकित चिट्ठों से तुलनात्मक चिट्ठा तैयार कीजिये।
(From the following Balance Sheets, Prepare Comparative Balance Sheet)

Particulars	Note No.	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1. Shareholders' Funds			
(a) Share Capital :		15,00,000	20,00,000
2. Non-Current Liabilities			
Long-term Borrowings			
Secured loan-10 % Debentures		6,00,000	5,00,000
3. Current Liabilities			
(a) Trade Payables		1,00,000	1,20,000
Total		22,00,000	26,20,000
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets : Tangible Assets		16,00,000	20,00,000
2. Current Assets			
(a) Trade Receivables		4,00,000	3,00,000
(b) Cash and Cash Equivalents		2,00,000	3,20,000
Total		22,00,000	26,20,000

उत्तर :

	Share Capital	10% Debentures	Trade Payables	Tangible Assets	Trade Receivables	Cash and Cash Equivalents
Absolute Change	5,00,000	(1,00,000)	20,000	4,00,000	(1,00,000)	1,20,000
Percentage Change	33.33	(16.67)	20	25	(25)	12%

2. निम्नांकित तुलनात्मक चिट्ठे को पूर्ण कीजिये। (Complete the following Comparative Balance Sheet)

Particulars	Note No.	31March 2016	31March 2017	Absolute Change (Increase/Decrease)	Percentage Change (Increase/Decrease)
1	2	3 ₹	4 ₹	5 ₹	6
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1.**Shareholders' Funds**					
(a) Equity Share Capital :		4,00,000	?	1,00,000	25.00
(b) Reserves and Surplus		1,00,000	1,25,000	?	25.00

2. Non- Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings		2,00,000	1,75,000	?	(12.50)
3.**Current Liabilities**					
(a) Trade Payables		2,00,000	?	1,00,000	50.00
Total		**9,00,000**	**11,00,000**	**2,00,000**	**22.22**
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Tangible Assets		6,00,000	8,00,000	2,00,000	33.33
(b) Intangible Assets		50,000	?	?	40.00
2. Current Assets					
(a) Trade Receivable		1,00,000	1,50,000	?	50.00
(b) Cash and Cash Equivalents		1,50,000	80,000	(70,000)	(56.67)
Total		**9,00,000**	**11,00,000**	**?**	**22.22**

उत्तर : -Equity Share Capital : ₹ 5,00,000, Reserves and Surplus- ₹ 25,000, Long-term Borrowing (₹ 25,000), Current Liabilities- ₹ 1,00,000, Intangible Assets - ₹70,000 and ₹ 20,000, Trade Receivable- ₹ 50,000, Total of absolute change - ₹ 2,00,000

3. निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक चिठ्ठा तैयार कीजिए।

From the followingBalance Sheet prepare Comparative Balance Sheet.

Particulars	Note No.	31 March 2016 ₹	31 March 2017 ₹
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1.**Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :		10,00,000	1,500,000
(b) Reserves and Surplus		5,00,000	6,00,000
2.Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings		2,00,000	2,25,000
3.**Current Liabilities**			
(a) Trade Payables		3,00,000	4,00,000
Total		**20,00,000**	**27,25,000**
II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets (Tangible)		15,00,000	20,00,000
(b) Intangible Assets		1,00,000	3,00,000
2. Current Assets			
(a) Investment		2,00,000	4,00,000
(b)Cash and Cash Equivalents		2,00,000	25,000
Total		**20,00,000**	**27,25,000**

उत्तर :

	Share Capital	Reserves & surplus	LTB	TP	TA	IA	Inv.	Cash
Absolute Change ₹	5,00,000	1,00,000	25,000	1,00,000	5,00,000	2,00,000	2,00,000	(1,75,000)
Percentage Change	50	20	12.5	33.33	33.33	200	100	(87.5)

4. निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ–हानि खाता बनाइये। (Prepare Comparative Statement of Profit and Loss from the following informations)

Particulars	Note No.	31 March, 2015 ₹	31 March, 2016 ₹
Revenue from Operations		50,00,000	60,00,000
Other Income		4,00,000	5,00,000
Cost of Materials consumed		25,00,000	35,00,000
Other Expenses		3,00,000	7,00,000
Tax Rate		30%	30%

उत्तर :

	Total Revenue from Operations	Total Expenses	Profit Before Tax	Profit after Tax
Absolute Change ₹	10,00,000	14,00,000	(3,00,000)	(90,000)
Percentage Change	20	50	(11.54)	(11.54)

5. निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक आय विवरण को पूर्ण कीजिये। (Complete the Comparative Balance Sheets from the following informations)

Particulars	Note No.	31 March2016 ₹	31 March 2017 ₹	Absolute Change ₹	Percentage Change (%)
I. Revenue from Operations		30,00,000	40,00,000	10,00,000	?
II. Expenses		--	--	--	--
(a) Employees benefit expenses		16,00,000	?	6,00,000	37.50
(b) Depreciation and Amortisation Expenses		8,00,000	?	?	25.00
(c) Other Expenses		2,00,000	?	1,00,000	50.00
Total		**26,00,000**	**35,00,000**	**9,00,000**	**34.61**
III. Profit Before Tax (I- II)		4,00,000	?	1,00,000	25.00
IV. Less : Income Tax		1,20,000	1,50,000	30,000	25.00
V. Profit after Tax (III-IV)		**2,80,000**	**3,50,000**	**30,000**	**25.00**

उत्तर : Employees benefit expenses- ₹ 22,00,000, Depreciation- ₹ 10,00,000, and ₹ 2,00,000, Other Expenses- ₹ 3,00,000, Profit before Tax- ₹ 5,00,000.

6. निम्नांकित सूचनाओं से समानाकार चिट्ठा तैयार कीजिये। (Prepare Common Size Balance Sheet from the following informatiosn.)

Particulars	Note No.	31 March 2017	31 March 2017
1	2	3 ₹	4 ₹
		(x Ltd.)	(y Ltd.)
I-EQUITY AND LIABILITIES			
1.**Shareholders' Funds**			
(a) Share Capital :			
(i) Equity Share Capital		5,00,000	8,00,000
(ii) Preference Share Capital		4,00,000	4,00,000
(b) Reserves and Surplus		2,00,000	3,00,000
2.Non-Current Liabilities			
(a) Long-term Borrowings		3,00,000	4,00,000
3.**Current Liabilities**			
(a) Short term Borrowings		2,50,000	2,00,000
(b) Trade Payables		1,00,000	1,50,000
(c) Short term provision		2,50,000	2,50,000
Total		**20,00,000**	**25,00,000**

II. ASSETS			
1. Non Current Assets			
(a) Fixed Assets (Tangible)		12,00,000	18,00,000
2. Current Assets			
(a) Investment		3,00,000	3,00,000
(b) Trade Receivables		2,00,000	2,25,000
(c) Cash and Cash Equivalents		3,00,000	1,75,000
Total		**20,00,000**	**25,00,000**

उत्तर :

	2016 -17(%)	2016 -17(%)
Equity Share Capital	25	32
Preference Share Capital	20	16
Reserves and Surplus	10	12
Debentures	15	16
Current Liabilities	30	24
	100	**100**
Fixed Assets	60	72
Current Assets	40	28
	100	**100**

7. निम्नांकित समानाकार चिट्ठों को पूर्ण करो। (complete the Common Size Balance Sheet)

Particulars	Note No.	Absolute Amount ₹		Percentage of Balance Sheet (%)	
		31 March 2016	31 March 2017	31 March 2016	31 March 2017
I-EQUITY AND LIABILITIES					
1.**Shareholders' Funds**					
(a) Share Capital :		10,00,000	?	50	48
(b) Reserves and Surplus		3,00,000	4,00,000	15	16
2.Non-Current Liabilities					
(a) Long-term Borrowings		2,00,000	?	10	12
3.**Current Liabilities**					
(a)Trade Payables (Creditors)		5,00,000	?	25	24
Total		**20,00,000**	**25,00,000**	**100**	**100**
II. ASSETS					
1. Non Current Assets					
(a) Fixed Assets (Tangible)		16,00,000	?	80	72
2. Current Assets					
(a)Cash and Cash Equivalents		4,00,000	?	20	28
Total		**20,00,000**	?	**100**	**100.00**

उत्तर : Share Capital- ₹ 12,00,000, Long - term Borrowings - ₹ 3,00,000, Trade Payables (Creditors) - ₹ 6,00,000, Fixed Assets- ₹ 18,00,000, Cash ₹ 7,00,000,

8. निम्नांकित लाभ हानि खाते को समानाकार लाभ हानि खाते में परिवर्तन करो। (Convert the following statement of Profit and Loss in to Common Size Statement of Profit and Loss)

उत्तर :

Particulars	Note No.	31st March 2016 ₹	31st March 2017 ₹
Income	1		
I. Revenue from Operations		20,00,000	30,00,000
II. Other Income		1,00.000	2,00,000
III. Total Revenue (I+II)		21,00,000	32,00,000

IV. Expenses			
(a) Purchases of Stock in Trade		12,00,000	6,00,000
(b) Change in Inventories of finished Goods, Work-in-progress and Stock-in-Trade		3,00,000	4,00,000
(c) Employees Benefit Expenses		1,00,000	2,00,000
(d) Other Expenses	2	2,00,000	4,00,000
Total Expenses		**18,00,000**	**26,00,000**
V. Profit Before Tax (III-IV)		3,00,000	6,00,000
VI. Less : Income Tax 30%		90,000	1,80,000
VII. Profit after Tax (V-VI)		**2,10,000**	**4,20,000**

Notes to the Accounts:

Particulars	**Note No.**	**31st March 2016 ₹**	**31st March 2017 ₹**
Revenue from Operations (Sales)	1	21,00,000	30,75,000
Less: Returns		1,00,000	75,000
		20,00,000	**30,00,000**
Other Expenses	2		
(a) Administrative Expenses		1,20,000	2,50,000
(b) Miscellaneous Expenses (Non Operative)		80,000	1,50,000
		2,00,000	**4,00,000**

उत्तर :

	Other income	purchases	Inventoried	employees exp.	other exp.	N.P. before tax	N.P. After tax
31st March 2016 (%)	5.00	60.00	15.00	5.00	10.00	15.00	10.50
31st March 2017 (%)	6.67	53.34	13.33	6.67	13.33	20.00	14.00

9. निम्नांकित सूचनाओं से लाभ हानि खाते की विभिन्न मदों के प्रवृति अनुपात वर्ष 2012-13 को आधार मानते हुए ज्ञात करो। (From the following informations, calculate trend ratio of various items of Profit and Loss Account, taking as base 2012-13)

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल आय ₹	10,00,000	11,00,000	12,00,000	15,00,000	18,00,000
कुल व्यय ₹	8,00,000	8,00,000	9,00,000	10,00,000	12,00,000
कर से पूर्व शुद्ध लाभ ₹	2,00,000	3,00,000	3,00,000	5,00,000	6,00,000

उत्तर : प्रवृति अनुपात

	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Total Revenue	110.00	120.00	150.00	180.00
Total exp.	100.00	112.50	125.00	150.00
N.P.before tax	150.00	150.00	250.00	300.00

10. निम्नांकित सूचनाओं से प्रवृति प्रतिशत की गणना सन् 2012-13 को आधार मानते हुए करो।
Calculate Trend Percentage from the following informations, taking base 2012-13.

	2012-13	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**
Total Revenue ₹	12,00,000	18,00,000	20,00,000	24,00,000	28,00,000
Total expenses ₹	8,00,000	10,00,000	15,00,000	18,00,000	22,00,000

उत्तर

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Trend Percentage of Total Revenue	--	50	66.67	100	133.33
Trend Percentage of Total Expenses	--	25	87.50	125	175.00

11. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष को आधार मानते हुए प्रवृति अनुपातों गणना करो।
(Calculate Trend ratio from the following figures taking the year ending 31 March, 2012 as base)

Year	31 March 2012	31 March 2013	31 March 2014	31 March 2015	31 March 2016
Net Sales ₹	5,00,000	8,00,000	10,00,000	12,00,000	15,00,000
Total Expenses ₹	3,00,000	4,50,000	6,50,000	7,50,000	10,00,000
Net Profit Before Tax ₹	2,00,000	3,50,000	3,50,000	4,50,000	5,00,000

उत्तर : प्रवृति अनुपात

वर्ष	31 March 2012	31 March 2013	31 March 2014	31 March 2015	31 March 2016
कुल बिक्री	100	160	200	240	300
कुल व्यय	100	150	216.67	250	333.33
शुद्ध लाभ (कर से पूर्व)	100	170	175	225	250